CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 130 ता. 16 नवम्बर 2021, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को वायरल बुखार

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वायरल बुखार से पीड़ित हैं। इस वजह से उन्होंने ने सोमवार को मुरादाबाद के कांग्रेस पदाधिकारी सम्मेलन स्थगित कर दिया। हालांकि सोमवार शाम तक उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ है।तबीयत में सुधार होने के बाद प्रियंका उत्तर प्रदेश में कई जगह पर पदयात्रा में हिस्सा लेंगी और जनसभाओं को सम्बोधित करेंगी। हालांकि इस मसले पर कांग्रेस पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि खेद के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि वह कांग्रेस पदाधिकारी सम्मेलन में पहुंचने में असमर्थ हैं क्योंकि प्रियंका गांधी को तेज वायरल बुखार है। रविवार को भी हल्का बुखार होने के बावजूद प्रियंका गांधी बुलंदशहर सम्मेलन में पहुंची थीं। इसके साथ ही वो बसपा सुप्रीमो की मृत मां के अंतिम संस्कार के लिए दिल्ली स्थित मायावती के आवास पर पहुंची थी।

कश्मीर के कई इलाके में पारा शून्य से नीचे रहा

श्रीनगर। कश्मीर में रात के समय तापमान शून्य के नीचे बना हुआ है और श्रीनगर में रविवार देर रात पारा शून्य डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कश्मीर के कई इलाकों में सोमवार सुबह कोहरे की परत छायी रही और पारा शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। श्रीनगर में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम में तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जोकि पूरे कश्मीर में सबसे ठंडा रहा। वहीं, उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा जबकि कुपवाड़ा में भी तापमान शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा। उन्होंने बताया कि घाटी के काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कश्मीर में कड़ाके की ठंड का मौसम अपने निर्धारित समय से पहले ही शुरू हो गया है, जोकि आमतौर पर दिसंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू होता है। कश्मीर में कड़ाके की ठंड से भरे 40 दिन की अवधि वाला 'चिल्ल्ई कलां' हर साल 21 दिसंबर से शुरू होता है। मौसम विभाग का कहना है कि मौसम 20 नवंबर तक शुष्क बना रहेगा।

अखिलेश बोले- प्रदेश में सपा की सरकार आई तो फिर बदला जाएगा जिलों का नाम

लखनऊ। यूपी 2022 विस चुनाव के पहले राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की श्रंखला जारी है। सूबे की योगी सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी तो फिर से नाम बदला जाएगा। जब तक ये तख्ती पर नया नाम लिखवाएंगे, वह सूखेगा नहीं और सरकार बदल जाएगी। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने यूपी को बर्बाद कर दिया है। ये गरीब की सरकार नहीं है। सोचिए आप यह सरकार समाजवादी पार्टी की सरकार से 5 साल पीछे चल रही है। जो काम समाजवादी 5 साल पहले करके छोड़ चुके हैं, वह भाजपा सरकार आज भी कर रही है। जो कोरोना काल में आजमगढ़ को ऑक्सीजन का प्लांट न दे सके वह उत्तर प्रदेश को विकास क्या देंगे? अखिलेश ने कहा कि कोरोना काल में मजदूरों को लाखों की मदद सपा ने दी। वहीं समाजवादी सरकार में बनाए एक्सप्रेस वे का उद्घाटन कर रहे है, एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता से समझौता किया गया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि रबड़ मिक्स विटामिन से एक्सप्रेस-वे बनाया गया है, जिसके कारण एक्सप्रेस वे की क्वालिटी गिरी है। हम लोगों को अनुमति नही दी है इसलिए 16 नवंबर को सांकेतिक रूप से फूल चढ़ाकर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेंगे। एक्सप्रेस वे आधा अधूरा है फिर भी इसकी शुरुआत के लिए हम पूर्वांचल के लोगो को बधाई देते है। हम वादा करते है कि सपा सरकार आने पर एक्सप्रेस वे के किनारे मंडिया बनाई जाएगी। सपा प्रमुख ने कहा कि ऐसा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बनाया है कि अगर रफ्तार बढ़ा देंगे तो आपके शरीर में दर्द हो जाएगा। हमारी पार्टी के गाजीपुर के सभी वरिष्ठ नेता जिलाधिकारी से मिलने गए और अभी तक वहां के प्रशासन ने हमें परमिशन नहीं दी। मुझे लगता था कि शायद परमिशन दे देंगे, हम भी सपा सरकार में बने समाजवादी एक्सप्रेस वे पर चल सके। इस मौके पर भारतीय किसान सेना, पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी, अखिल भारतीय नवनिर्माण पार्टी और लेबर एस पार्टी का सपा में विलय हुआ है।

कोरोना पर भारत सख्त, एक दर्जन देशों के यात्रियों को करना कड़े नियमों का पालन

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। सरकार ने सोमवार को कहा कि ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे और सिंगापुर सहित यूरोप के देशों से आने वाले यात्रियों को भारत आगमन पर अतिरिक्त उपायों का पालन करने की जरूरत होगी। इसमें भारत आने के बाद कोविड-19 टेस्टिंग भी शामिल है। इसके साथ ही अमेरिका, यूएई, कतर, फ्रांस और जर्मनी सहित 99 देशों से आने वाले उन यात्रियों को क्वारंटाइन मुक्त आगमन की इजाजत दी गई है, जिन्होंने अपना पूरा टीकाकरण (अनुमोदित जैब्स के साथ) करा लिया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है, जबकि देश ने विदेशी पर्यटकों को गैर-चार्टर पर अनुमति दी है। भारत ने पिछले मार्च में टूरिस्ट वीजा निलंबित कर दिया था और 15 अक्टूबर से उन्हें चार्टर पर मंजूरी देकर फिर से शुरू कर दिया था। भारत के लिए प्रस्थान के 72 घंटों के भीतर एक कोविड नकारात्मक रिपोर्ट के अलावा इन 99 देशों (जिन्हें श्रेणी ए कहा जाता है) के यात्रियों को भी एयर सुविधा पोर्टल पर अपना पूर्ण टीकाकरण प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

भोपाल में कमलापति रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

भोपाल।

मध्य प्रदेश की राजधानी के विश्व स्तरीय पुर्नविकसित कमलापति रेलवे स्टेषन का लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा कि भोपाल के इस ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन का सिर्फ कायाकल्प ही नहीं हुआ है, बल्कि गिन्नौरगढ़ की रानी, कमलापति का इससे नाम जुड़ने से इसका महत्व भी और बढ़ गया है। गोंडवाना के गौरव से आज भारतीय रेल का गौरव भी जुड़ गया है। रेलवे को लेकर आमजनों की धारणा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि छह-सात साल पहले तक जिसका भी पाला भारतीय रेल से पड़ता था, तो उनमें से ज्यादातर भारतीय रेल को कोसते हुए नजर आता था। स्टेशन पर भीड़-भाड़, गंदगी, ट्रेन के इंतजार में घंटों की टेंशन, स्टेशन पर बैठने-खाने-पीने की असुविधा, ट्रेन के भीतर गंदगी, सुरक्षा की चिंता, दुर्घटना का डर, ये सबकुछ एक साथ दिमाग में चलता रहता था। उन्होंने आगे कहा कि भारत कैसे बदल रहा है, सपने कैसे सच हो सकते हैं, ये देखना हो तो आज इसका एक उत्तम उदाहरण भारतीय रेलवे भी बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी योजनाओं का जिक्र करते कहा कि भारत में पौने दो सौ रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर हम लगातार काम कर रहे हैं।इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर-उज्जैन डीएमयू ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रानी कमलापति-बरखेड़ा रेलवे लाइन का तिहरीकरण हो गया है। इसका भी आज लोकार्पण हुआ है।इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आजादी के बाद आज सही मायने में भारत पहला जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत सही मायने में अपना प्रथम जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। आजादी के बाद देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर जनजातीय कला, संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गौरव एवं सम्मान प्रदान करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। इसके लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बधाई के पात्र हैं।भारत सरकार ने भी फैसला किया है कि 15 नवम्बर को पूरे देश में हर वर्ष गांधी-पटेल-अंबेडकर जयंती की तरह ही वृहद पैमाने पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा तथा जनजातीय समाज के योगदान को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। आज शिवराज सरकार जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये कई योजनाओं की शुरूआत कर रही है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज जंबूरी मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर जनजातीय कल्याण की विभिन्न योजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने 'राशन आपके ग्राम' योजना का शुभारंभ करते हुए डिंडोरी के अनिल तथा मंडला के लक्ष्मीनारायण को राशन वाहनों की चाबी सौंपी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सिकल सेल रोग उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करते हुए झाबुआ की सुश्री हशीला, अलीराजपुर की सुश्री सीना डुडवे तथा झाबुआ के मनीष सिंह सिकरवार को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किये।प्रधानमंत्री श्री मोदी के सम्मुख राशन आपके ग्राम योजना, मध्यप्रदेश सिकलसेल मिशन और प्रदेश में टीकाकरण उपलब्धि तथा शत प्रतिशत कोविड-19 वेक्सीनेशन उपलब्धि वाले जनजातीय बहुल ग्राम नरसिंहरूंडा जिला झाबुआ पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 50 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का वर्चुअल भूमि पूजन भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रतलाम जिले के बाजना में बने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का लोकार्पण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने मंच से आम जनता का अभिवादन किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विशेष पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों के लिये नियुक्त माध्यमिक शिक्षकों विवेक कुमार भारिया तथा सुश्री पिंकी सहरिया को नियुक्ति-पत्र प्रदान किये। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविशंकर भीमसेनी भारिया को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यहाँ जनजातीय कलाकारों द्वारा अत्यंत मनोहारी एवं अर्थपूर्ण नृत्य-गीत की प्रस्तुति दी गई है। मैं इन्हें ध्यान से देख रहा था। इनके हर नृत्य, गीत, जीवन-शैली, परंपराओं में कोई न कोई तत्व ज्ञान होता है।

आज यह नृत्य गीत मुझे बता रहे थे कि जीवन 4 दिन का होता है, फिर मिट्टी में मिल जाता है, धरती, खेत, खलिहान किसी के नहीं रहते, धन-दौलत यहीं छोड़कर जानी होती है। मन में गुमान करना व्यर्थ है। जीवन का उत्तम तत्व ज्ञान जंगल में रहने वाले ये जनजातीय भाई-बहन हमें बताते हैं।

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी में हो रहा है विस्तार

-पीएम मोदी से मिले अमेरिकी सांसद, मंत्रियों संग भी की बात

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के बीच रक्षा क्षेत्रों में विस्तार को लेकर बातचीत हुई। इस बातचीत में कहा गया है कि प्रमुख रक्षा साझेदार के रूप में भारत की स्थिति के अनुरूप हाल के वर्षों में यूएस-भारत रक्षा साझेदारी का विस्तार हुआ है। हम रक्षा साझेदारी में इस गति को जारी रखने की उम्मीद करते हैं। साथ ही कहा कि राज्य विभाग सहयोग के आधार पर छूट दी जाएगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की थी। इस बैठक में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने में अमेरिकी कांग्रेस के समर्थन और रचनात्मक भूमिका की सराहना की गई थी। पीएम ने सीनेटर जॉन कॉर्निन के नेतृत्व में अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अमेरिकी सांसदों ने बड़ी आबादी की चुनौतियों के बावजूद, बेहतर कोविड प्रबंधन के लिए भारत की प्रशंसा की थी। एक बयान में प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया, 'अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीनेटर जॉन कॉर्निन ने किया था और इसमें सीनेटर माइकल क्रापो, थॉमस ट्यूबरविले और माइकल ली और कांग्रेस के सदस्य टोनी गोंजालेस और जॉन केविन एलिसी शामिल हुए हुए थे। कॉर्निन भारत और भारतीय अमेरिकियों पर सीनेट कॉकस के सह-संस्थापक और सह-अध्यक्ष हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनसे मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने दो रणनीतिक साझेदारों के बीच रणनीतिक हितों के बढ़ते मेलजोल पर बातचीत की।

जहां कांग्रेस वहां कमीशन, जहां एनडीए-भाजपा वहां मिशन है: नड्डा

कांग्रेस ने दिया था शगुन का लिफाफा, मोदी ने लागू किया वन रैंक वन पेंशन

देहरादून।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को चमोली में आयोजित शहीद सम्मान यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आज ऐसी वीर भूमि पर आया हूं जहां के वीर सपूतों ने चाहे वो प्रथम विश्वयुद्ध या द्वितीय विश्वयुद्ध था, चाहे वह 1965 की लड़ाई, 1971 की लड़ाई या कारगिल की लड़ाई थी, सभी संग्राम में उत्तराखंड के वीर जवानों ने अपने आप को समर्पित किया और लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वीरों की भूमि है, इसका सम्मान होना चाहिए। वीरों की भूमि उत्तराखंड में शहीद सम्मान यात्रा का 15 नवंबर से 7 दिसंबर तक आयोजन किया जा रहा है। लगभग 1,734 वीर शहीदों के आंगन से मिट्टी संजोकर सैन्य धाम तक पहुंचायी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहीद सम्मान यात्रा 13 जिलों और 70 ब्लॉकों से होकर आएगी। मैं चाहता हूं कि हर एक जिले में इसका भव्य स्वागत हो। उन्होंने कहा कि कोई भी वीर सपूत जिसने अपनी जिंदगी और जवानी फौज को दी है, उसका और उसके परिवार को सम्मान होना चाहिए। अगले साल उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के नेताओं के दौरे उत्तराखंड में तेजी से बढ़े हैं। इसी बीच जेपी नड्डा भी देहरादून पहुंचे। जहां पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1972 से लेकर 2014 तक फौजी भाईयों को गुमराह किया गया। उनकी आवाज तक नहीं सुनी गई।

कांग्रेस ने तो उनकी शहादत और देशभक्ति का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार जाने लगी तो चिंदबरम ने 2013-14 के बजट में 500 रुपए रखकर कह दिया कि आपकी वन रैंक वन पेंशन योजना को पूरा करेंगे। मुझे नहीं पता यहां क्या कहते है, लेकिन हमारे यहां पर इसे पायता कहते हैं।

दिल्ली में अगर सबसे बड़ा कोई 'प्रदूषण' है तो वह अरविंद केजरीवाल हैं : आदेश गुप्ता

दिल्लीवालों को स्वच्छ हवा मिले इसके लिए भाजपा दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार है-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली।

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष के आदेश गुप्ता ने कहा कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को 'गैस चैंबर' बनाने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार को जमकर फटकार लगाई है।

कोर्ट ने आज केजरीवाल सरकार को सीधे तौर पर कहा है कि आप प्रदूषण को लेकर कभी केंद्र सरकार को तो कभी निगम को दोषी ठहराते हैं और जब इन सब से नहीं होता तो पंजाब और हरियाणा पर अपनी नाकामी का ठीकरा फोड़ने लगते हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण पर राजनीति करना ठीक नहीं है इसलिए अगर दिल्ली सरकार तैयार हो तो भाजपा 'प्रदूषण मुक्त दिल्ली' के लिए साथ काम करने को तैयार है ताकि दिल्लीवालों को स्वच्छ हवा मिल सके।

श्री गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को भी इस बात का पता है कि दिल्ली में इस वक्त हवा कितनी जहरीली है इसलिए तो पिछले कई दिनों से वे पंजाब, गोवा और उत्तराखंड घूम रहे हैं। दरअसल दिल्ली के सबसे बड़े 'प्रदूषण' खुद अरविंद केजरीवाल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने के लिए केजरीवाल सरकार ने आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया और अक्टूबर आते ही सभी दिल्लीवाले घरों में कैद हो जाते हैं क्योंकि बाहर निकलना मतलब बीमारियों को दावत देना है। श्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की तुलना में हरियाणा और पंजाब में हवा का डीओबी लेवल बेहतर है जिससे स्पष्ट है कि प्रदूषण के लिए पराली ही एकमात्र वजह नहीं है क्योंकि इससे सिर्फ वातावरण 5 से 7 प्रतिशत ही प्रदूषित होता है। उन्होंने कहा कि आज अरविंद केजरीवाल का हर झूठ बेनकाब हो चुका है चाहे वह कोरोना संकटकाल में ऑक्सीजन के विषय में बोला हुआ झूठ हो, पराली पर बोला झूठ हो या फिर बिजली संकट पर कोयले की कमी पर बोला गया झूठ हो।

पुतिन-मोदी शिखर सम्मेलन के अलावा, भारत और रूस 6 दिसंबर को 2 प्लस 2 वार्ता करेंगे

नई दिल्ली।

भारत और रूस अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इसी सिलसिले में 6 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक भव्य द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी अपने भारतीय समकक्षों, राजनाथ सिंह और एस. जयशंकर के साथ संयुक्त 2 प्लस 2 बातचीत के लिए भारतीय राजधानी में होंगे। असामान्य रूप से व्यस्त दिन की शुरुआत भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक से होगी, जिसकी अध्यक्षता राजनाथ सिंह और जनरल शोइगु करेंगे। शिखर सम्मेलन की तैयारी में लगे उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि इस बैठक में दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को मजबूत करने के रोडमैप पर चर्चा होगी। इसके बाद व्यापक 2 प्लस 2 वार्ता होगी, जहां सिंह और जयशंकर संयुक्त रूप से शोइगु और लावरोव से मिलेंगे। दोनों बैठकें उसी दिन दोपहर में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच शिखर सम्मेलन के लिए मंच तैयार करेंगी। रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जनरल निकोलाई पेत्रुशेव द्वारा भारत की हाल की दो यात्राओं के दौरान भारत और रूस ने काफी आम जमीन तैयार की है, जब उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के साथ विस्तृत बातचीत की। 10 नवंबर को नई दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में पेत्रुशेव की भागीदारी सितंबर में उनकी पिछली यात्रा से पहले हुई थी। दोनों यात्राएं 15 अगस्त को तालिबान द्वारा काबुल के अधिग्रहण के बाद अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर केंद्रित थीं। भारत और रूस दोनों इस बात पर सहमत हैं कि तालिबान को एक समावेशी सरकार बनानी चाहिए, जिसमें देश के विभिन्न जातीय अल्पसंख्यक शामिल हों। दूसरा, दोनों देश कुछ हासिल होने से पहले तालिबान से प्रतिबंधों को हटाने की संयुक्त राष्ट्र की पहल का विरोध करते हैं। दिल्ली सुरक्षा सम्मेलन के दौरान पत्रुशेव ने विशेष रूप से भारत विरोधी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) का नाम लिया। उन्होंने कहा कि तालिबान को अफगानिस्तान में जड़ें जमाने से रोका जाना चाहिए। सम्मेलन के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सुरक्षा पर पाकिस्तान समर्थित हक्कानी नेटवर्क के नकारात्मक प्रभाव की ओर भी इशारा किया। अफगान संकट को हल करने के लिए एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण का एक मजबूत पैरोकार, मास्को क्षेत्र के सैन्य ठिकानों तक पहुंचकर अफगानिस्तान और पड़ोसी मध्य एशियाई देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका की वापसी का विरोध करता है। यह इस्लामिक स्टेट-खोरासन (आईएसके) की उपस्थिति का कड़ा विरोध करता है, जिसकी अनुमानित संख्या लगभग 3,000 लोगों की है। अफगानिस्तान में काम करने वाले अन्य चरमपंथी समूहों में अल कायदा, इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान (आईएमयू) और ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) शामिल हैं, जिनमें चीन के झिंजियांग क्षेत्र के अंदर नोड हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 600-700 लोग हैं। अफगानिस्तान के अलावा, 6 दिसंबर की चर्चा में भारत-चीन संबंधों की स्थिति, भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति, दक्षिण एशिया और रूसी सुदूर पूर्व में भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी शामिल हो सकती है। भारतीय पक्ष इस बात से पूरी तरह अवगत है कि हाल के महीनों में, रूस दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है।

(यह सामग्री इंडियानैरेटिव डॉट कॉम के साथ एक व्यवस्था के तहत प्रस्तुत है)

अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तरह बिरसा मुंडा की जयंती मनाएगा भारत : मोदी

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश महात्मा गांधी और इस धरती के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तर्ज पर स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती मनाएगा। मोदी आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी की जयंती के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भोपाल के जंबूरी मैदान में आदिवासियों की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री दोपहर 1.10 बजे जंबूरी मैदान पहुंचे और आदिवासियों के हस्तशिल्प की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आदिवासियों से बातचीत कर उन्हें बिरसा मुंडा जयंती की बधाई दी। वह जैसे ही मंच पर चढ़े, राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए और पिछले कई घंटों से इंतजार कर रहे लोगों ने खुशी जताई। उन्होंने अपने संबोधन में पिछले सात वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने आदिवासियों को कोविड-19 के टीके लेने में सक्रिय भागीदारी के लिए भी धन्यवाद दिया और कहा, कुछ विकसित देशों में लोग कोविड के टीके लेने में झिझक दिखा रहे हैं, मगर हमारे देश के आदिवासियों ने इसे स्वीकार कर लिया है। हमें इनसे सीखने की जरूरत है। आदिवासी भारत की ताकत हैं, लेकिन कुल आबादी का 10 प्रतिशत होने के बावजूद उनकी अपनी संस्कृति और इतिहास है, जिसे वांछित मान्यता नहीं मिली।

बिटकॉइन घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री को मिला भाजपा आलाकमान का समर्थन

बेंगलुरु।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, जो बिटकॉइन घोटाले में सनसनीखेज आरोपों पर तूफान का सामना कर रहे हैं, उन्हें भाजपा आलाकमान का समर्थन मिला है। पार्टी के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को कर्नाटक में भाजपा नेताओं को शामिल करने और उन पर लगाम लगाने का निर्देश दिया है, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में भ्रम पैदा करने के लिए अफवाहें फैलाने में लिप्त हैं। बोम्मई ने अमित शाह को दो कैबिनेट मंत्रियों के बारे में जानकारी दी थी जो बिटकॉइन घोटाले पर अफवाहें फैला रहे हैं और कांग्रेस पार्टी के नेताओं को जानकारी लीक कर रहे हैं। बोम्मई ने सरकार में अनिश्चितता लाने की कोशिश कर रहे इन मंत्रियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने का अनुरोध किया था। सूत्र के अनुसार, अमित शाह ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया था कि पार्टी इन नेताओं का ख्याल रखेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें काबू में किया जाए और उन्हें चेतावनी दी जाए। तदनुसार, जेपी नड्डा ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए बिटकॉइन घोटाले पर अफवाहें फैलाने में लिप्त नेताओं को आड़े हाथों लिया और उन्हें एकता में विपक्ष का सामना करने के लिए फटकार लगाई। जब से भाजपा आलाकमान ने उन्हें उनके समर्थन का आश्वासन दिया है तब से बोम्मई आत्मविश्वास से कांग्रेस का मुकाबला कर रहे हैं। कर्नाटक पुलिस विभाग ने कांग्रेस महासचिव प्रभारी कर्नाटक प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला और राज्य कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे द्वारा लगाए गए आरोपों का बिंदुवार खंडन किया था। आलाकमान के निर्देश पर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं का मजाक उड़ाते हुए खंडन जारी करना शुरू कर दिया है। बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा ने कांग्रेस के एक नेता को फटकार लगाई कि उनका नाम बेहद स्त्रैण है। उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा, आपने दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बेटी का नाम रखा। पुलिस विभाग के प्रेस नोट ने दावा किया कि उनकी जांच ट्विटर हैंडल द्वारा निर्देशित नहीं की जा सकती थी, लेकिन उन्हें बिटकॉइन घोटाले की जांच के संबंध में कानून के अनुसार उचित प्रक्रिया करनी होगी।

उत्तर भारत का प्रसिद्ध 'झिरी मेला' रद्द

जम्मू ।

जम्मू में प्रशासन ने कोविड-19 महामारी के कारण बाबा जित्तू मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक च्झिरी मेलाज् को रद्द करने की सोमवार को घोषणा की। प्रशासन ने हालांकि कोविड संबंधी मानदंडों एवं नियमों के पालन के साथ श्रद्धालुओं को मंदिर में पूजा अर्चना करने की अनुमति प्रदान कर दी है। जम्मू-अखनूर राजमार्ग पर झिरी गांव में %कार्तिक पूर्णिमा% के दौरान प्रति वर्ष यह नौ दिवसीय मेला आयोजित किया जाता है।मारह के उपजिलाधिकारी नसीर अली ने कहा, ÷च्पिछले साल की तरह, कोविड-19 के मद्देनजर झिरी मेला का आयोजन इस बार भी रद्द कर दिया गया है। हालांकि, मंदिर में पूजा-अर्चना समेत अन्य सभी धार्मिक अनुष्ठान परंपरा के अनुसार ही होंगे और श्रद्धालुओं का भी स्वागत है, लेकिन उन्हें कोविड-19 संबंधी मानक संचालन प्रक्रियाओं (कोविड उपयुक्त व्यवहार) तथा तमाम दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा।हर साल जम्मू, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और देश के अन्य हिस्सों से पांच लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा जित्तू के बलिदान की याद में होने वाले इस मेले में आते हैं। बाबा जित्तू एक किसान थे जिन्होंने लगभग 500 साल पहले जमींदारों की दमनकारी मांगों के विरोध में अपनी जान दे दी थी।

श्रीनगर के हैदरपोरा में मुठभेड़, एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। हैदरपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। अभी तक मुठभेड़ में एक आतंकवादी भी मारा गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस नेइस बात की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार एनकाउंटर में एक दहशतगर्द मारा गयाहै। उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा रखा है। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी जारी है।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के घर पर तोड़-फोड़ के बाद आगजनी की गई

नई दिल्ली।

अयोध्या पर किताब प्रकाशित होने और उसके कुछ अंशों को लेकर उठे विवाद के बाद कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के घर पर तोड़-फोड़, आगजनी की गई। सलमान खुर्शीद ने स्वयं फेसबुक पर नैनीताल स्थित उनके घर पर आग की लपटों और टूटी खिड़कियों की तस्वीरें साझा कीं। कथित तौर पर सलमान खुर्शीद की किताब में हिन्दुत्व की तुलना कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों से की गई है। कांग्रेस नेता ने तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, मुझे उम्मीद थी कि मैं अपने उन दोस्तों के लिए ये दरवाजे खोलूंगा जिन्होंने सवाल उठाए हैं। लेकिन क्या अभी भी यह कहना गलत है कि यह हिंदुत्व नहीं हो सकता? सलमान खुर्शीद अपनी नई किताब सनराइज ऑफ अयोध्या के प्रकाशन के बाद से ही निशाने पर हैं। इस किताब का एक अंश है, जिसमें कहा गया है, ÷संतों और महात्माओं के लिए प्रसिद्ध सनातन धर्म और हिन्दू धर्म को हिन्दुत्व के नए प्रखर समूह द्वारा पीछे धकेल दिया गया है, यह सब उसी राजनीतिक विचारधारा के जरिये किया जा रहा है, जो आईएसआईएस और बोको हराम जैसे जिहादी इस्लामी समूहों से मेल खाता है। भाजपा ने इसको लेकर सलमान खुर्शीद पर निशाना साधा है, पार्टी ने कहा कि खुर्शीद के बयान ने हिन्दू धर्म की भावनाओं को आहत किया है और आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम वोट पाने के लिए सांप्रदायिक राजनीति कर रही है। इस विवाद के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हिन्दू धर्म और हिन्दुत्व के बीच अंतर बनाने की कोशिश की थी। इसके जवाब में बीजेपी ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी में हमेशा से हिन्दू धर्म के प्रति नफरत रही है। हालांकि कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने भी खुर्शीद की आलोचना करते हुए कहा कि हिन्दुत्व को लेकर बढ़ा चढ़ाकर तुलना की गई है।

झारखंड में आपका अधिकार-आपके द्वार अभियान शुरू, सीएम हेमंत बोले- योजनाओं का लाभ घर तक पहुंचायेंगे

रांची।

विभिन्न सरकारी योजनाओं तक जरूरतमंद लोगों की पहुंच आसान करने और राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन योजना, जॉब कार्ड सहित विभिन्न तरह के आवेदनों का मौके पर निपटारा करने के लिए झारखंड सरकार ने 15 नवंबर से आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थल खूंटी जिले के उलिहातू गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में इस अभियान का उद्घाटन किया। यह अभियान आगामी 45 दिनों तक चलेगा। इसका समापन 29 नवंबर को हेमंत सोरेन सरकार की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर होगा।अभियान का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणा है कि अब आदिवासियों के हक की आवाज दिल्ली तक पहुंच रही है।

आज उनकी जयंती पर इस कार्यक्रम की शुरूआत का उद्देश्य यह है कि लोगों के अपने अधिकारों के लिए भटकना नहीं पड़े, बल्कि सरकार खुद उनके घर तक जाकर उन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अब 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को पेंशन योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसमें बीपीएल की शर्त हटा दी गयी है। किसी भी तबके के बुजुर्ग को यह लाभ मिल सकेगा। बता दें कि आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तहत राज्य की 4300 से ज्यादा पंचायतों और सभी नगर निकायों में कैंप लगाकर लोगों के आवेदनों का मौके पर निपटारा जायेगा। इन कैंपों मेंखाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत नये राशन कार्ड स्वीकृति के लिए आवेदन पत्रों की स्वीकृति, राशन कार्ड की त्रुटियों को दूर करने, पेंशन प्राप्त करने में लाभान्वितों को हो रही समस्या के निराकरण, मनरेगा के तहत नये जॉब कार्ड, झारखंड लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए प्राथमिकता के तौर पर जॉब कार्ड बनाने, हड़िया-दारू की बिक्री में लगी महिलाओं की पहचान कर उन्हें फूलो-झानो आशीर्वाद योजना से जोड़कर वैकल्पिक रोजगार देने, जमीन का लगान की रसीद काटने, नियुक्ति पत्र, परिसंपत्तियों का वितरण, कृषि ऋण माफी, ई-श्रम पोर्टल पर निबंधनके आवेदन सहित विभिन्न मामलों का निपटारा मौके पर किया किया जायेगा। कैंपों में कोविड जांच व टीकाकरण की भी व्यवस्था रहेगी।

इस अभियान के उद्घाटन के मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता और सीएम के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का भी उपस्थित रहे।

समाजवादी नहीं परिवारवादी है अखिलेश की पार्टी - केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा

नई दिल्ली।

केंद्रीय राज्य मंत्री एवं उत्तर प्रदेश से भाजपा के राज्य सभा सांसद बी एल वर्मा ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनकी पार्टी का नाम भले ही समाजवादी है लेकिन वास्तव में यह परिवारवादी पार्टी है। आईएएनएस से बात करते हुए केंद्रीय सहकारिता एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री बी एल वर्मा ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव को कभी भी अपने ऊपर भरोसा ही नहीं रहा है, इसलिए 2022 का विधान सभा चुनाव न तो हमारे लिए चिंता का विषय है और न ही कोई चुनौती है। आईएएनएस से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2017 के विधान सभा चुनाव के समय प्रदेश में अखिलेश की ही सरकार थी लेकिन उन्हें अपने आप पर ही भरोसा नहीं था इसलिए उस समय उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल और कांग्रेस के साथ समझौता करके चुनाव लड़ा था। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान भी घबराए अखिलेश ने बसपा के साथ समझौता किया था । लेकिन दोनों बार ही प्रदेश की जनता ने भाजपा का साथ दिया। अखिलेश के सरकार बनाने के दावे पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अखिलेश यूपी में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं जबकि प्रदेश में कुल विधान सभा की सीट ही 403 है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अखिलेश इसी तरह से 2019 लोक सभा चुनाव में भी बसपा के साथ मिलकर सभी 80 सीटों पर जीत का दावा कर रहे थे लेकिन जनता ने 2019 में भी भाजपा को 64 सीटों पर विजयी बनाया था। केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा ने कहा कि विपक्ष क्या कहता है, हम इसकी चिंता नहीं करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के विकास के लिए, देश के स्वाभिमान और सम्मान के लिए दिन रात काम कर रहे हैं और हम लोग उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं और 2022 में फिर से प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाएंगे।

देवोत्थानी एकादशी पर नमामि गंगे ने बांटे तुलसी के पौधे

रोगों की मुक्ति की कामना से शालिग्राम और तुलसी पूजन

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, वाराणसी।

देवोत्थान एकादशी पर नमामि गंगे ने अस्सी घाट पर तुलसी और भगवान शालिग्राम का विवाह व आरती कर रोगों से मुक्ति की कामना की। अस्सी घाट पर बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने तुलसी के पौधे लेकर पुण्यलाभ लिया। इसके साथ ही नमामि गंगे की टीम ने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को तुलसी का पौधा देकर पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता के लिए भी संकल्पित किया। इस दौरान नमामि गंगे टीम ने गंगा तट पर फैली गंदगी को साफ किया और लोगों को घाटों पर गंदगी न करने के लिए प्रेरित किया। संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि देवोत्थान एकादशी का पर्व हमें धर्म के साथ कर्म का अवसर प्रदान करता है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने का यह पर्व एक प्रकार से अपने कर्तव्यों व दायित्वों के प्रति जागने और जगाने का पर्व है। भगवान के जागने से सृष्टि में सकारात्मक शक्तियों का संचार होने लगता है।

तुलसी पूजन की परंपरा भी वैज्ञानिक पक्ष को ही पुष्ट करती है। कफ जनित रोगों के शमन में तुलसी रामबाण जैसा असर रखती है। इस मौसम विशेष में तुलसी का सेवन सर्वाधिक लाभकारी माना गया है। इस दौरान प्रमुख रूप से काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, महानगर संयोजक शिवदत्त द्विवेदी, महानगर सहसंयोजक शिवम अग्रहरी, महानगर सहसंयोजक रामप्रकाश जायसवाल, सीमा चौधरी, सारिका गुप्ता, रश्मि साहू, पुष्पलता वर्मा ,रंजीता गुप्ता ,घनश्याम गुप्ता , शांभवी मिश्रा, रेनू जायसवाल,पूनम मिश्रा, सरस्वती मिश्रा , आदि उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र एमएलसी उपचुनाव- कांग्रेस ने प्रज्ञा राजीव सातव को उतारा

मुंबई। कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधान परिषद की एक सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए दिवंगत सांसद राजीव सातव की विधवा डॉ. प्रज्ञा सातव को पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। एक चिकित्सक, डॉ. प्रज्ञा सातव पार्टी का एक ओबीसी चेहरा हैं और सितंबर में राज्यसभा उपचुनाव की दौड़ से चूक गई थीं, लेकिन अब उन्हें एमएलसी उप-चुनावों के लिए मैदान में उतारा जा रहा है। एमएलसी उपचुनाव 29 नवंबर को होने हैं, जिसके लिए विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने अपने औरंगाबाद शहर के अध्यक्ष संजय किनकर को नामित किया है। उपचुनाव के लिए जाने वाली सीट का कार्यकाल जुलाई 2024 तक होगा। अप्रत्यक्ष चुनाव विधायकों के वोट डालने के साथ होंगे। चूंकि सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी के पास सदन में बहुमत है, इसलिए डॉ. प्रज्ञा सातव के आसानी से जीत जाने की संभावना है।

वर्चुअल करेंसी पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन इसका नियमन जरूरी - केंद्र

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय के एक समूह और उद्योग जगत के बीच बैठक में केंद्र सरकार ने माना है कि वर्चुअल करेंसी पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन इसका नियमन यानी रेगुलेशन जरूरी है। यह बैठक ऐसे वक्त हुई है, जब इसके कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक अधिकारियों के साथ की थी, जिसमें वर्चुअल करेंसी के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया था। क्रिप्टोकरेंसी में निवेश और उससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंता जताई जाती रही है। नकद के इस विकल्प को लेकर पहली बार गठित संसदीय समूह ने इस मुद्दे पर विचार किया। वित्त मामलों में गठित संसद की स्थायी समिति की क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्लॉकचेन। क्रिप्टो एसेट काउंसिल, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ क्रिप्टोकरेंसी के नियमन और प्रोत्साहन से जुड़े पहलू पर विचार किया। इस संसदीय समिति के अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा हैं। दरअसल, भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश और इससे जुड़े जोखिम को लेकर विभिन्न समूहों द्वारा समय-समय पर चिंता जताई गई है। इस बैठक में एक आमराय बनी कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक नियामकीय व्यवस्था होना जरूरी है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नियामक यानी रेगुलेटर की भूमिका में कौन होगा। बैठक के दौरान निवेशकों के निवेश की सुरक्षा का मुद्दा छाया रहा। एक सांसद ने अखबारों में क्रिप्टोकरेंसी के पूरे पेज के विज्ञापन को लेकर भी चिंता जताई। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी भी एक तरह का निवेश है, जिसकी आजादी होनी चाहिए। उन्होंने इसे ब्लॉकचेन का हिस्सा बताया।

सभी जरूरतमंदों तक कानूनी सहायता पहुंचनी चाहिए - जस्टिस ललित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज, जस्टिस उमेश उदय ललित ने एक समाचार चैनल से कहा, सभी जरूरतमंदों तक कानूनी सहायता पहुंचनी चाहिए। नेशनल लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी का बड़ा अभियान है इसके तहत तालुका स्तर पर लीगल ऐड- क्लीनिक काम कर रहे हैं। 6 हफ्ते में 6.37 लाख गांवों में अभियान चलाया गया और घर-गांव में कानूनी सहायता की टीमें तीन बार पहुंची हैं। उन्सहोने बताया कि देशभर में एफआईआर में कानूनी सहायता की जानकारी होगी।सभी पोस्ट ऑफिस में कानूनी सहायता के बोर्ड लगेंगे। यह अभियान कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंचा है। जस्टिस ललित खुद देशभर के 13 जिलों में गए हैं।

जेएनयू में एबीवीपी और वामपंथी छात्र दलों के बीच जमकर हुई मारपीट

-दोनों ही पक्ष का एक दूसरे पर मारपीट का आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्र संघों के बीच एक बार फिर बवाल होने की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को जेएनयू कैंपस में वामपंथी छात्र दलों की बैठक होनी थी। आरोप है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कुछ सदस्य पहले ही वहां पहुंच गए और वामपंथियों से उनकी बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच मामला मारपीट तक पहुंच गया। बताया जा रहा है दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। रात में ही पुलिस को जानकारी दी गई, लेकिन पुलिस सोमवार सुबह मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मारपीट जरूर हुई है, लेकिन मामला बहुत बड़ा नहीं है। उधर, इस घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कहना है कि जेएनयू में एबीवीपी के कई कार्यकर्ताओं पर वामपंथी गुटों ने हमला किया। हमले में घायल कुछ कार्यकर्ताओं को एम्स में भर्ती कराना पड़ा है। पीड़ितों में एबीवीपी पदाधिकारी, लड़कियां और दिव्यांग छात्र भी शामिल हैं। उनका कहना है कि स्टूडेंट एक्टिविटी रूम में एबीवीपी कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। इसी दौरान एआईएसए, एसएफआई और अन्य वामपंथी दलों के करीब 100 हमलावरों ने वहां पहुंचकर घटना को अंजाम दिया। वहीं इस मामले में दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी गौरव शर्मा का कहना है कि रविवार रात को वसंत कुंज पुलिस स्टेशन में नारेबाजी और झड़प की सूचना मिली थी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची लेकिन वहां माहौल शांत था। जांच करने पर पता चला कि छात्र संघ हॉल में एक सेमिनार के आयोजन को लेकर छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी। जेएनयू छात्र संघ ने इस मामले संबंधित कोई एफआईआर नहीं दर्ज कराई है। लेकिन, एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने थाने में लिखित शिकायत दी है। इसके साथ ही वामपंथी दल से संबंधित एक सदस्य ने भी शिकायत दी है। दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर बैठक में बाधा डालने का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

तालिबान का शक्ति प्रदर्शन !

अमेरिकी गाड़ियों-हथियारों की निकाली परेड, उड़ाए हेलीकॉप्टर

(एजेंसी):

अफगानिस्तान पर कब्जे के 3 माह बाद तालिबान ने पहली बाद देश में शक्ति प्रदर्शन किया। तालिबान ने एक विद्रोही बल से देश की स्थायी-नियमित सेना में हो रहे उनके परिवर्तन को दिखाने के लिए मिलिट्री परेड निकाली। इस शक्ति प्रदर्शन में ताजुब्ब की बात यह रही कि तालिबान लड़ाकों ने अमेरिकी निर्मित बख्तरबंद वाहनों और रूसी हेलीकॉप्टरों के साथ ये मिलिट्री परेड निकाली। तालिबान करीब दो दशक तक विद्रोही गुट की तरह संचालित होता रहा लेकिन इसी साल अगस्त माह में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद पीछे छोटे गए हथियारों के जखीरे का उसने जमकर इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह ख्वाज़मी ने कहा कि यह परेड 250 नए प्रशिक्षित सैनिकों के स्नातक स्तर तक की पढ़ाई पूरी करने से जुड़ी थी। इस अभ्यास में दर्जनों अमेरिकी निर्मित रू17 बख्तरबंद सुरक्षा वाहनों को धीमी गति से काबुल की मुख्य सड़क पर घुमाया गया। इस दौरान स्कू-17 हेलीकॉप्टन आसमान में उड़ान भर रहे थे। बहुत से सैनिकों के पास अमेरिका की बनाई एम-4 असॉल्ट राइफल भी देखने को मिली। तालिबान बलों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे अधिकांश हथियार और उपकरण वॉशिंगटन की तरफ से अमेरिकी समर्थित काबुल की सरकार को दिए गए थे ताकि अफगान की सेना को तालिबान के खिलाफ जंग के लिए तैयार किया जा सके। हालांकि, ये सेना अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के देश छोड़ने के बाद ही पस्त हो गई और तालिबान ने एक बार फिर से सत्ता पर राज पा लिया।तालिबान अधिकारियों ने कहा है कि पूर्व अफगान सेना के पायलटों, यांत्रिकी और अन्य विशेषज्ञों को नई सेना में शामिल किया जाएगा। इस सेना के जवानों ने अब पारंपरिक अफगान कपड़ों की जगह पारंपरिक सैन्य वर्दी भी पहनना शुरू कर दिया है। बीते साल के आई स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल फॉर अफगानिस्तान रिकन्सट्रक्शन (स्कूब्रक्र) की रिपोर्ट में बताया गया था कि साल 2002 से 2017 के बीच अमेरिकी सरकार ने अफगान सरकार को करीब 28 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियार, गोला-बारूद, वाहन, नाइट विज़न डिवाइसेज, एयरक्राफ्ट और सर्विलांस सिस्टम जैसे रक्षा उपकरण मुहैया कराए। अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद कई विमान वहीं छूटे, हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं कि इनमें से कितने काम के हैं। अमेरिकी सैनिकों ने अफगानिस्तान छोड़ने से पहले करीब 70 विमान, दर्जनों बख्तरबंद वाहनों को नष्ट किया था और एयर डिफेंस सिस्टम को भी डिसेबल कर दिया था।

ब्रिटेन में उइगरों के साथ अत्याचारों के खिलाफ चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में चीनी दूतावास और मैनचेस्टर में वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन के उइगर मुसलमानों के प्रति व्यवहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान चीन से झिंजियांग प्रांत में एकाग्रता शिविरों को बंद करने की मांग की गई। प्रदर्शन में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और चीन में उइगर मुसलमानों के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने नारा लगाया नरसंहार बंद करो, चीन, चीन तुम छिप नहीं सकते। प्रदर्शनकारियों में से एक ने बताया, हम यहां उइगरों के लिए खड़े हैं। हम चाहते हैं कि चीन एकाग्रता शिविरों को बंद करे, मस्जिदों को खोले और उइगर मुसलमानों, कजाक मुसलमानों और अन्य उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को इस्लाम का अभ्यास करने की बुनियादी स्वतंत्रता दे।

लेबर पार्टी के सांसद अफजल खान ने कहा, आज हमारे पास चीन के वाणिज्य दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन के लिए एक बड़ी सभा है। उन्होंने कहा कि चीन में उइगरों का नरसंहार बढ़ रहा है और यह स्वीकार्य नहीं है। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने सवाल उठाया और कहा, हम यहां उइगर लोगों के लिए न्याय की मांग करने के लिए हैं। क्योंकि उनकी आवाज को दबा दिया गया है। इस समय उइगर आबादी वाले इलाके में सामूहिक नरसंहार, उत्पीड़न, कैद और सभी तरह के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। चीन के कम्युनिस्ट शासन ने 1949 में कब्जे के बाद पूर्वी तुर्किस्तान का नाम बदलकर शिनजियांग कर दिया था इससे पहले पूर्वी तुर्किस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को बांग्लादेश में कई स्थानों पर चीन के खिलाफ प्रदर्शन हुए।

प्रदर्शनकारी चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न पर विरोध जता रहे थे। यह स्वतंत्रता दिवस दो रियासतों की आजादी की 77 और 88 वीं वर्षगांठ पर मनाया जाता है।

दुनिया भर के इस्लामी मौलवियों ने अफगानिस्तान में समावेशी सरकार का किया आह्वान

(एजेंसी):

युद्धग्रस्त देश अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत सहित दुनिया भर के कई देशों के इस्लामी मौलवियों ने रविवार को एक आभासी सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में सभी इस्लामी मौलवियों ने अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार के गठन का आह्वान किया। इस दौरान प्रतिभागियों से भारत, पाकिस्तान, ईरान, इराक और क्रोएशिया, इस्लामी देशों में ढ्ढस्ढ्ढ का मुकाबला करने पर एक एकीकृत स्थिति बनाने के लिए आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में कहा गया कि ÷एक निश्चित जाति द्वारा सरकार को नियंत्रित करना और अन्य जातियों की उपेक्षा करना असंभव है। इससे अराजकता पैदा होगी अफगानिस्तान में क्योंकि सभी जातियों के पास शक्ति है और वे अपने अधिकारों की तलाश कर रहे हैं।÷ बैठक में मानवाधिकारों और महिलाओं के अधिकारों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस दौरान पाकिस्तान में एक शिया नेता हुजातुल इस्लाम ने कहा तालिबान ने अफगानिस्तान में सरकार बनाई और दावा करते हैं कि उनकी सरकार इस्लामी है लेकिन समूह को अपने अतीत से सीखना चाहिए और अपनी गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए । अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने आतंकवाद के मुद्दे परअंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सहयोग करने का आह्वान किया । उन्होंने तालिबान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ÷यदि आप वास्तव में अपनी और दुनिया की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं और प्रतिज्ञाओं के लिए प्रतिबद्ध हैं तो शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, लोगों की मदद करें ।

बलूचिस्तान में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 3 पाक सैनिक

पेशावर (एजेंसी):

पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग घटनाओं में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कई आतंकवादियों को भारी नुकसान हुआ। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में 2 सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया इकाई 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस% ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी पर होशब इलाके में अभियान शुरू किया था और उसी दौरान आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में दोनों सैनिकों की मौत हो गयी। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों से घिर जाने पर मुठभेड़ हुई जिसमें आतंकवादियों को भारी नुकसान हुआ लेकिन इस दौरान दो सैनिकों की भी मौत हो गयी। इससे पहले होशब में जून में आतंकवादी हमले में फटियर कोर के एक जवान की मौत हो गयी थी। खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी में नागरिकों द्वारा बार-बार आने वाले मार्ग पर आतंकवादियों द्वारा लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) को साफ करते हुए जिला लक्की मारवात के निवासी सिपाही लनामुल्ला ने दम तोड़ दिया।

बंगलादेश में 50 सालों में हिंदुओं की संख्या 75 लाख तक घटी, पलायन के पीछे ये हैं कारण

(एजेंसी)।

बंगलादेश में हिंदुओं की आबादी लगातार घटती जा रही है। पिछले 50 सालों में देश की कुल जनसंख्या दोगुनी से अधिक हो गई है, लेकिन हिंदुओं की संख्या में लगभग 75 लाख तक की गिरावट आ चुकी है। हिंदुओं के अलावा बौद्ध, ईसाई और अन्य धर्म के लोगों की संख्या कमोबेश स्थिर रही है। आजाद बंगलादेश में पहली जनगणना 1974 में हुई थी। उस वक्त हिंदुओं की जनसंख्या 13.5 फीसदी थी। इसके बाद बाद चार और जनगणना की गई। साल 2011 में की गई जनगणना से पता चला कि बंगलादेश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 8.5 फीसदी है। साल 2011 के लिए बंगलादेश सांख्यिकी ब्यूरो (BBS) ने जनसंख्या और आवास जनगणना की अपनी रिपोर्ट में देश में हिंदुओं की आबादी में कमी के दो कारण बताए थे। इनमें से एक हिंदुओं का देश छोड़कर चले जाना है और दूसरी वजह हिंदुओं में कुल प्रजनन दर का तुलनात्मक रूप से कम होना है, मतलब हिंदुओं के घरों में अपेक्षाकृत कम बच्चे हैं। हालांकि बंगलादेश में डायरिया की बीमारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र ने दो और संगठनों के साथ मिलकर देश के एक छोटे से हिस्से में एक अध्ययन किया और पाया कि हिंदुओं के पलायन और प्रजनन दर कम होने के अलावा इस समुदाय में शिशुओं की मृत्यु दर तुलनात्मक रूप से अधिक होने की वजह से इनकी जनसंख्या कम होती जा रही है। राजनीतिक नेता, समाज के जानकार, हिंदू समुदाय के नेता और शोधकर्ता कमोबेश इस बात पर सहमत हैं कि हिंदुओं का बाहरी देशों में पलायन देश में उनकी आबादी में कमी होने का मुख्य कारण है। इस पलायन के पीछे एक ऐतिहासिक प्रवृत्ति रही है। ढाका विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अबुल बरकत तीन दशकों से अधिक समय से अल्पसंख्यकों के देश छोड़ने के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक कारणों पर शोध कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़, पीएम मॉरिसन ने बताया शर्मनाक

(एजेंसी):

भारत सरकार द्वारा उपहार में दी गई महात्मा गांधी की एक आदमकद कांस्य प्रतिमा के साथ यहां तोड़फोड़ की गई है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने इस कृत्य को ''शर्मनाक'' बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में निराशा है। समाचार पत्र 'द एज' की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री मॉरिसन ने भारत की आजादी के 75 साल के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के महावाणिज्य दूत राजकुमार और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ रॉविल में ऑस्ट्रेलियाई भारतीय सामुदायिक केंद्र में प्रतिमा का अनावरण किया था और इसके कुछ ही घंटों बाद यह घटना हुई। मॉरिसन ने कहा गया, ''इस स्तर का अनादर देखना शर्मनाक और बेहद निराशाजनक है।'' उन्होंने कहा कि इस देश में सांस्कृतिक स्मारकों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसके लिए जो भी जिम्मेदार है, उसने ऑस्ट्रेलियाई भारतीय समुदाय का बहुत अपमान किया है और उसे शर्म आनी चाहिए।'' प्रतिमा भारत सरकार द्वारा उपहार में दी गई थी। 'एबीसी न्यूज' की खबर के अनुसार, विक्टोरिया पुलिस ने कहा कि अज्ञात संख्या में अपराधियों ने शुक्रवार की शाम साढ़े पांच बजे और शनिवार की शाम साढ़े पांच बजे के बीच प्रतिमा को काटने के लिए बिजली उपकरण का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने कहा कि नॉक्स अपराध जांच इकाई के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और वे गवाहों से आगे आकर जानकारी देने की अपील कर रहे हैं। शहर में भारतीय समुदाय ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इसे ''निम्न स्तर का कृत्य'' करार दिया। एबीसी न्यूज ने 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ विक्टोरिया' के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सोनी के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''समुदाय बहुत हैरान और दुखी है। मुझे समझ में नहीं आता कि कोई इतना घटिया कृत्य क्यों करेगा।'' उन्होंने कहा कि रोविल सेंटर विक्टोरिया राज्य में पहला भारतीय सामुदायिक केंद्र है और 30 साल के प्रयास के बाद इसे स्थापित किया गया। 'ऑस्ट्रेलिया इंडिया कम्युनिटी चैरिटेबल ट्रस्ट' के अध्यक्ष वासन श्रीनिवासन ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि किसी ने प्रतिमा के अनावरण के 24 घंटे के भीतर ही उसे तोड़ने की कोशिश की।

चीन में 3 से 11 की उम्र के 8.4 करोड़ बच्चों को कोरोना रोधी टीके लगाए गए

बीजिंग (एजेंसी)।

कोरोना महामारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए चीनी राज्य परिषद की कार्य प्रणाली ने 13 नवंबर को कहा कि अब तक चीन में 3 से 11 साल की उम्र के 8.4 करोड़ से अधिक बच्चों को कोरोना रोधी टीका लगाए जा चुके हैं। रोग नियंत्रण के लिए चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि टीकाकरण अभियान को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि दिसंबर के अंत तक पूरे चीन में 3 से 11 साल की उम्र के सभी बच्चों को टीके लगाए जा सकें। गौरतलब है कि इससे पहले चीन में कोरोना टीकों की उत्पादन क्षमता, टीकाकरण क्षमता, नैदानिक परीक्षण और वास्तविक रोकथाम और नियंत्रण कार्य के आधार पर टीकाकरण के लिए लक्षित लोगों की उम्र को 12 साल से 3 साल की उम्र तक समायोजित किया गया था। चीनी शिक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि विश्वविद्यालय, मिडिल स्कूल और प्राइमरी स्कूल राष्ट्रीय नीति के अनुसार कोरोना टीकाकरण कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। अब तक पूरे चीन में कोरोना वैक्सीन की करीब 2.37 अरब खुराकें लगायी जा चुकी हैं। कुल 1.07 अरब से अधिक लोगों को दोनों खुराकें लगा दी गयी हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश का दावा: 2018 के चुनावों से पहले CJP साकिब ने कहा था-नवाज व मरियम को जेल में ही रखो

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

गिलगित बाल्टिस्तान की शीर्ष अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राणा एम शमीम ने एक नोटरीकृत हलफनामे में उच्च न्यायालय के एक जज को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। राणा शमीम ने कहा है कि 2018 के आम चुनाव से पहले सीजेपी साकिब निसार द्वारा तत्कालीन एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को नवाज शरीफ और मरियम नवाज को किसी भी समय जमानत पर रिहा नहीं करने के निर्देश दिए थे । राणा शमीम ने कहा कि 2018 के आम चुनाव से पहले मियां मुहम्मद नवाज शरीफ और मरियम नवाज शरीफ को आम चुनाव खत्म होने तक जेल में रखने के लिए कहा गया था और दूसरी तरफ से आश्वासन मिलने पर साकिब निसार शांत हो गए और खुशी-खुशी एक और कप चाय की मांग करने लगे। दस्तावेज़ के अनुसार शमीम का बयान 10 नवंबर, 2021 को शपथ आयुक्त के समक्ष शपथ के तहत दिया गया था। विधिवत नोटरीकृत हलफनामे में गिलगित बाल्टिस्तान के पूर्व-सीजे के हस्ताक्षर के साथ-साथ उनके एनआईसी कार्ड की एक फोटो भी शामिल है। नोटरी पब्लिक ने हलफनामे पर मुहर लगाई और दर्ज किया कि यह 10 नवंबर, 2021 को मेरे सामने शपथ ली गई थी। नवाज शरीफ और मरियम नवाज दोनों को जवाबदेही अदालत ने 25 जुलाई, 2018 के आम चुनाव से पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया था। उनके वकीलों ने दोषसिद्धि को स्थगित करने के लिए अदालत का रुख किया था लेकिन प्रारंभिक सुनवाई के बाद मामला जुलाई के अंतिम सप्ताह तक के लिए टाल दिया गया था। रविवार को संपर्क किए जाने पर राणा शमीम ने शुरू में इस संवाददाता द्वारा व्हाट्सएप कॉल पर उन्हें पढ़े गए हलफनामे की सामग्री की पुष्टि की। तब उसने कहा कि वह इस क्लिप को स्पष्ट रूप से नहीं सुन सकता। उसे तुरंत वापस बुलाया गया लेकिन उसका व्हाट्सएप बंद पाया गया।

चीनी शैली के आधुनिकीकरण मार्ग की सफलता किस पर निर्भर करती है?

बीजिंग (एजेंसी)।

लगभग एक महीने पूर्व, 9वें विश्व चीनी अध्ययन मंच पर सर्बिया के पूर्व राष्ट्रपति बोरिस टाडिक ने भाषण देते हुए कहा था कि 21वीं सदी में पश्चिम के सामने आने वाली चुनौतियां बताती हैं कि आधुनिकीकरण पश्चिमीकरण के बराबर नहीं है। चीन ने आधुनिकीकरण को नए अर्थ दिए हैं, जिसने दुनिया को एक पाठक्रम सिखाया है। हाल ही में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की 19वीं राष्ट्रीय समिति के छठे पूर्णाधिवेशन में जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि सीपीसी लोगों का नेतृत्व कर चीनी शैली के आधुनिकीकरण के मार्ग पर सफलतापूर्वक चली, उसने मानव सभ्यता का नया रूप बनाया और विकासशील देशों के आधुनिकीकरण के मार्ग का विस्तार किया। चीनी शैली का आधुनिकीकरण मार्ग दुनिया भर में गहन चर्चा और सोच को जगाता है। प्रसिद्ध ब्रिटिश विद्वान मार्टिन जैक्स ने कहा, चीन के उदय ने विकासशील देशों को विकास के लिए एक नया मार्ग और प्रेरणा प्रदान की है। इस नए मार्ग को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने लोगों का नेतृत्व करते हुए सौ साल के संघर्ष के बाद स्वतंत्र रूप से खोजा था, जो कि चीनी विशेषताओं के साथ और चीन की वास्तविकता के अनुरूप है। इस मार्ग के लक्ष्य हैं कि आंतरिक रूप से लोगों की समान समृद्धि, मनुष्य व प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को साकार करना, बाहरी रूप से दुनिया के शांतिपूर्ण विकास को बढ़ावा देना, मानव जाति के साझे भाग्य वाले समुदाय का निर्माण करना, भौतिक सभ्यता, राजनीतिक सभ्यता, आध्यात्मिक सभ्यता, सामाजिक सभ्यता और पारिस्थितिक सभ्यता के समन्वित विकास को बखूबी अंजाम देना इनमें शामिल है। यह देखा जा सकता है कि चीनी शैली के आधुनिकीकरण मार्ग ने न केवल पूर्वी और पश्चिमी आधुनिकीकरण मार्गों से कुछ उपयोगी अनुभव सीखे हैं, बल्कि पश्चिमी आधुनिकीकरण मॉडल की कमियों को भी पार किया है।

यह सीसीपी द्वारा चीनी जनता का नेतृत्व कर अपनी राष्ट्रीय परिस्थिति के आधार पर चलने वाला रास्ता है। इसने न केवल मानव जाति के लिए आधुनिकीकरण का एक नया मार्ग खोला है, बल्कि मानव सभ्यता के एक नए रूप का निर्माण भी किया है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में चीनी लोगों ने औद्योगीकरण निर्माण किया, सुधार और खुलेपन को लागू किया, पूर्ण गरीबी को समाप्त किया, सर्वांगीण तरीके से खुशहाल समाज का निर्माण पूरा किया, स्वतंत्र नवाचार में वृद्धि की, और आधुनिकीकरण की राह पर एक के बाद एक चमत्कार किए।

संक्षिप्त समाचार

गुरु नानक देव की 552वीं जयंती मनाने के लिए दुनियाभर से 8,000 से अधिक सिख जाएंगे पाकिस्तान

इस्लामाबाद। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 552वीं जयंती मनाने के लिए दुनियाभर से 8,000 से अधिक सिख श्रद्धालु पाकिस्तान आएंगे। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमृतसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि पाकिस्तान ने गुरु नानक देव की जयंती पर गुरुद्वारा ननकाना साहिब आने के लिए 855 भारतीय सिख श्रद्धालुओं को वीजा दिए हैं लेकिन उसने 191 अन्य सिख श्रद्धालुओं को वीजा देने से इनकार कर दिया। चौधरी ने ट्वीट किया कि, दुनियाभर से आठ हजार से अधिक सिख यात्री बाबा गुरु नानक की जयंती मनाने के लिए पाकिस्तान आ रहे हैं, गुरुओं और सूफियों की भूमि पर स्वागत है। भारत में पाक उच्चायोग ने ट्वीट किया, पाकिस्तान उच्चायोग ने बाबा गुरु नानक की 552वीं जयंती की पूर्व संध्या पर भारतीय सिख यात्रियों को करीब 3,000 वीजा जारी किए हैं।

छिंगहाई-तिब्बत पठार पर संरक्षण के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण मंच की प्रारंभिक स्थापना

बीजिंग। छिंगहाई-तिब्बत पठार एशिया की जल मीनार और पृथ्वी का तीसरा ध्रुव है। पारिस्थितिक पर्यावरण नाजुक और संवेदनशील है, और इसका चीन और दुनिया की जलवायु और पारिस्थितिक पर्यावरण सुरक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। 2017 में दूसरा छिंगहाई-तिब्बत वैज्ञानिक सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से सिलसिलेवार परिणाम प्राप्त हुए हैं। छिंगहाई-तिब्बत पठार पर पृथ्वी प्रणाली की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण मंच की प्रारंभिक स्थापना हुई, और पारिस्थितिक पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन का वैज्ञानिक सर्वेक्षण चल रहा है। वर्तमान में यार्लुंग जांग्पो नदी की मुख्य शाखा नदी ल्हासा नदी की वाटरशेड में मौसम विज्ञान, हिमनद, हाइड्रोलॉजी, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के लिए एक व्यापक प्रारंभिक अवलोकन प्रणाली स्थापित की गई है, और बहाली व प्रबंधन कार्य शुरू किया गया है। वैज्ञानिक अभियान दल ने ल्हासा नदी नंबर 1 ग्लेशियर क्षेत्र में ग्लेशियर पार्क का संरक्षण कार्य शुरू किया और जलवायु वार्मिंग से हो रहे ग्लेशियरों के पिघलने को धीमा किया। चीनी विज्ञान अकादमी के छिंगहाई-तिब्बती पठार अनुसंधान संस्थान के उप निदेशक आन पाओ ने कहा कि वैज्ञानिक अवलोकन, योजना, प्रबंधन और संरक्षण के माध्यम से वह पूरे छिंगहाई-तिब्बत पठार के उच्च गुणवत्ता वाले विकास की सेवा करता है। पिछले पांच वर्षों में, एशिया की जल मीनार के गतिशील परिवर्तन और प्रभाव समेत दस वैज्ञानिक अनुसंधान मिशनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दूसरे छिंगहाई-तिब्बत वैज्ञानिक अभियान ने एक व्यापक अध्ययन किया है और पहाड़-जन-वन-खेत-झील-घास-रेत-बर्फ एकीकृत संरक्षण और पृथ्वी प्रणाली के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण मंच स्थापित किया।

बेलारूस प्रवासी संकट पर यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के लिए तैयार

मिन्स्क। बेलारूस के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव नताल्या इसमोंट ने मीडिया से कहा कि बेलारूस प्रवासी संकट पर यूरोपीय संघ के राजनेताओं के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको और जर्मनी के निवर्तमान चांसलर एंजेला मर्केल के बीच बातचीत की संभावना पर टिप्पणी की । उन्होंने कहा, हम हमेशा तैयार रहे हैं। हम अभी तैयार हैं और आगे ही रहेंगे। हमने बातचीत के रास्ते कभी खत्म नहीं किए। इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने व्यक्त किया कि जर्मनी के चांसलर और बेलारूस के राष्ट्रपति एक-दूसरे से बात करने के लिए तैयार हैं, और हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। पिछले कुछ दिनों में, पुतिन और मर्केल ने बेलारूस-यूरोपीय संघ सीमा पर प्रवासी संकट पर दो बार फोन कॉल किए।

सुविचार अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे। - प्रेमचंद

संपादकीय

सख्ती सराहनीय

दिल्ली में पर्यावरण चिंता के साथ-साथ शर्म की भी एक बड़ी वजह है। प्रदूषण की पराकाष्ठा एक तरह से पराजय है, जिसे स्वीकार किए बिना सुधार की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) पर जो जुर्माना लगाया है, वह स्वागतयोग्य है। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में एक परियोजना में धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करने के लिए पांच लाख रुपये का जुर्माना एक ऐसा कदम है, जिसे उदाहरण माना जा सकता है। दिल्ली सरकार ने धूल रोधी अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है, जो 12 दिसंबर तक चलेगा। भला हो कि एनबीसीसी की एक परियोजना का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि कुछ स्थानों पर धूल नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए हैं। अव्वल तो दिल्ली में धूल के प्रकोप को रोकने के लिए शुरू किए गए इस अभियान की प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन इससे कई सवाल भी खड़े होते हैं। क्या यह काम पहले ही नहीं हो सकता था? क्या सरकार भवन निर्माताओं और धूल पैदा करने वाले अन्य कृत्यों पर पहले ही अंकुश नहीं लगा सकती थी? सवालों के बावजूद यह सख्ती सही दिशा में उठाया गया कदम है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा है कि सभी सरकारी विभागों को धूल रोधी प्रकोष्ठ बनाने और धूल रोधी संयुक्त कार्ययोजना को अमल में लाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ समन्वय में काम करना होगा। दुनिया देख रही है, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्मॉग की समस्या और बढ़ गई है। कई जगह ऐसी स्थिति है कि 200 मीटर के बाद कोई चीज दिख नहीं रही है। राजधानी में नवंबर की शुरुआत से ही प्रदूषण के स्तर में वृद्धि से लोगों को परेशानी हो रही है। बीमारियों के संक्रमण के दौर में प्रदूषण से खासकर बुजुर्गों और सांस की तकलीफ वाले लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल है। सब जानते हैं, हर साल 1 नवंबर से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में लोगों को बेहद दूषित हवा में सांस लेनी पड़ती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के भी ऊपर चला जाता है। प्रदूषण कारक कण पीएम 2.5 की मात्रा 350 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच जाती है। मतलब, हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण अपनी सामान्य सीमा से करीब छह गुना ज्यादा हो जाता है। और तो और, इस मौसम में हवा भी धीमी रफ्तार से बहती है या लगभग ठहर सी जाती है, तो शहर में भर आया प्रदूषण बाहर नहीं निकल पाता है। लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रदूषण निवारण के लिए सरकारों को सख्ती बरतते हुए आगे आना चाहिए। दिल्ली सरकार ने एक कदम उठाया है, लेकिन क्या यही एक कदम पर्याप्त है? बड़े पैमाने पर उन लोगों और संस्थानों पर जुर्माना लगाने की जरूरत है, जो तय मानकों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। सरकारों को अपने सभी विभागों को निर्देश देना चाहिए कि सब अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण में कमी लाने की पहल करें। जो लोग समझ नहीं रहे हैं, उन पर सख्ती ही बेहतर विकल्प है। तरह-तरह से प्रयास हुए हैं, सरकारों ने भी अपनी ओर से अभियान चलाए हैं, लेकिन उनमें कहीं न कहीं ईमानदारी की कमी है, दिखावा भी खूब हुआ है। वक्त आ गया है कि प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों को कठघरे में खड़ा किया जाए।

कर्मफल

श्रीराम शर्मा आचार्य/ अहंकार और अत्याचार संसार में आज तक किसी को बुरे कर्मफल से बचा न पाए। रावण का असुरत्व यों मिटा कि उसके सवा दो लाख सदस्यों के परिवार में दीपक जलाने वाला भी कोई न बचा। कंस, दुर्योधन, हिरण्यकशिप की कहानियां पुरानी पड़ गई। हिटलर, सालाजार, चंगेज और सिकन्दर, नैपोलियन जैसे नर-संहारकों को किस प्रकार दुर्दिन देखने पड़े, उनके अन्त कितने भयंकर हुए, यह भी अब अतीत की गाथाओं में जा मिले हैं। नागासाकी पर बम गिराने वाले अमेरिकन वैमानिक फ्रेड ओलीपी और हिरोशिमा के विलेन (खलनायक) मेजर ईथरली का अन्त कितना बुरा हुआ, यह देखकर सुनकर सैंकड़ों लोगों ने अनुभव कर लिया कि संसार संरक्षक के बिना नहीं है शुभ-अशुभ कर्मो का फल देने वाला न रहता होता, तो संसार में आज जो भी कुछ चहल-पहल, हंसी खुशी दिखाई दे रही है, वह कभी की नष्ट हो चुकी होती। इन पंक्तियों में लिखी जा रही कहानी एक ऐसे खलनायक की है जिसने अपने दुष्कर्मो का बुरा अन्त अभी-अभी कुछ दिन पहले ही भोगा है। जलियांवाला हत्याकांड की जब तक याद रहेगी तब तक जनरल डायर का डरावना चेहरा भारतीय प्रजा के मस्तिष्क से न उतरेगा। पर बहुत कम लोग जानते होंगे कि डायर को भी अपनी करनी का फल वैसे ही मिला जैसे सहसबाहु, खर-दूषण, वृत्रासुर आदि को। पंजाब में जन्मे, वहीं के अन्न और जल से पोषण पा कर अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर में सिख धर्म में दीक्षित होकर भी जनरल डायर ने हजारों आत्माओं को निर्दोष पिसवा दिया था, उसे कौन नहीं जानता। इंग्लैंड उसकी कितनी ही प्रशंसा करता पर वह भगवान के दण्ड-विधान से उसी प्रकार नहीं बच सकता था, जैसे संसार का कोई भी व्यक्ति अपने किये हुए का फल भोगने से वंचित नहीं रहता। भगवान की हजार आंखें, हजार हाथ और कराल दाढ़ से छिपकर बचकर कोई जा नहीं सकता। जो जैसा करेगा, उसे वैसा भरना ही पड़ेगा। हंटर कमेटी ने उसके कार्यों की सार्वजनिक निन्दा की, उससे उसका मन अशान्त हो उठा। तत्कालीन भारतीय सेनापति ने उसके किये हुए काम को बुरा ठहराकर त्यागपत्र देने का आदेश दिया। फलतः अच्छी खासी नौकरी हाथ से गई, पर इतने भर को नियति की विधि-व्यवस्था नहीं कहा जा सकता। आगे जो हुआ, प्रमाण तो वह है, जो यह बताता है कि करने के फल विलक्षण और रहस्यपूर्ण ढंग से मिलते हैं।

कोविड के प्रभावी इलाज की तरफ बढ़े कदम

मुकुल व्यास

वैज्ञानिक इन दिनों ऐसी दवाएं और वैक्सीन खोजने में जुटे हुए हैं जो कोविड उत्पन्न करने वाले कोरोना वायरस के अलावा उसके वेरियंट्स और दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ कारगर हो सकें। अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी और नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी एंटीबॉडी की पहचान की है जो विभिन्न प्रकार के कोरोना वायरसों से होने वाले संक्रमणों की गंभीरता को कम करती है। इनमें वर्तमान कोविड उत्पन्न करने वाले वायरस के अलावा सार्स के मूल रोग उत्पन्न करने वाले वायरस शामिल हैं। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक बार्टन हेंस ने कहा कि यह एंटीबॉडी वर्तमान कोरोना महामारी से निपटने में उपयोगी हो सकती है। भविष्य में जानवरों से मनुष्यों में जंप करने वाले वायरसों से पैदा होने वाली नयी बीमारियों से जूझने में भी यह एंटीबॉडी कारगर हो सकती है। हेंस और उनके सहयोगियों ने मूल सार्स-कोव-1 से संक्रमित हुए एक मरीज और वर्तमान कोविड के एक मरीज के रक्त के नमूनों का विश्लेषण करने के बाद इस एंटीबॉडी की पहचान की। उन्होंने दोनों मरीजों में 1700 से अधिक एंटीबॉडीज की पहचान की। इनमें से उन्होंने पाया कि 50 एंटीबॉडीज ऐसी हैं जो सार्स-कोव-1 और सार्स-कोव-2 वायरसों के साथ जुड़ सकती हैं। विस्तृत विश्लेषण करने के बाद उन्होंने पाया कि इनमें से एक एंटीबॉडी जानवरों से आने वाले समस्त कोरोना वायरसों को निष्प्रभावी करने में सक्षम है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर इस एंटीबॉडी का परीक्षण किया। चूहों को संक्रमण से पहले यह एंटीबॉडी दी गई। शोधकर्ताओं ने देखा कि इस एंटीबॉडी ने चूहों को सार्स, कोविड-19 और उसके वेरियंट्स के अलावा दूसरे कोरोना वायरसों से भी सुरक्षा प्रदान की। संक्रमण के बाद इस एंटीबाडी ने चूहों में फेफड़ों के तीव्र लक्षणों को कम कर दिया। संक्रमण के बाद एंटीबॉडी की चिकित्सीय गतिविधि से संकेत मिलता है कि इसका प्रयोग वर्तमान महामारी में किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से कोरोना वायरस परिवार और उनके वेरिएंट के खिलाफ एक कारगर यूनिवर्सल वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का एक दूसरा दल यह जानने की कोशिश कर रहा है कि कुछ व्यक्ति कुदरती रूप से कोविड को कैसे झेल लेते हैं और क्या उनकी इस खूबी का चिकित्सीय इस्तेमाल हो सकता है। दो मनुष्यों में कम से कम 99.9 प्रतिशत आनुवंशिक समानता होती है लेकिन 0.1 प्रतिशत का अंतर एक-दूसरे को कुछ अलग बनाता है। जीनों में इस फर्क के कारण कुछ लोग रोगों का प्रतिरोध कर सकते हैं और कुछ उनके शिकार हो सकते हैं। ऐसा कुछ खास जीनों की वजह से होता है। यदि हम इन जीनों को बेहतर ढंग से समझ सकें तो इससे न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को फायदा हो सकता है। ऐसी दवाएं विकसित की जा सकती हैं जो लाभदायक जीनों के प्रभावों का अनुकरण कर सकें। इस बात को ध्यान में रखकर शोधकर्ता दुनिया में ऐसे लोगों की तलाश कर रहे हैं जो कोरोना वायरस का प्रतिरोध कर सकते हैं। शायद इन लोगों के जीनों में कोविड के इलाज की कुंजी छिपी हुई हो। दुनिया में फैली कोरोना महामारी के दौरान संक्रमित होने वाले लोगों में भिन्नता दिखाई दी। कुछ लोगों में बीमारी के लक्षण नहीं दिखे जबकि कुछ गंभीर रूप से बीमार हो गए। ग्रीस में एकेडमी ऑफ एथेंस के इम्युनोलॉजिस्ट इवानगेलोस आंद्रियाकोस ने अपने शोधपत्र में लिखा है कि दिसंबर, 2019 में नयी बीमारी के प्रकट होने के बाद कोविड के बारे में हमारी समझदारी में काफी वृद्धि हुई है लेकिन हम अभी तक यह नहीं जानते कि कुछ लोगों में कोविड के खिलाफ जन्मजात प्रतिरोध का आनुवंशिक कारण क्या है और इसका क्या इम्यून सिस्टम से भी कोई संबंध है। शोधकर्ताओं ने इस बात को नोट किया कि कई मामलों में घर के प्रायः सभी सदस्य संक्रमित हो गए लेकिन उनमें एक सदस्य ऐसा था, जिसे कुछ नहीं हुआ। ऐसी भी खबरें मिलीं कि सबसे ज्यादा संक्रमित इलाकों में कई बार गुजरने के बाद भी लोगों को कोविड नहीं हुआ। इस बारे में कुछ शोध हआ है लेकिन इसमें बहुत मामूली अंतर ही सामने आए। मसलन इन शोधकर्ताओं ने पिछले वर्ष बताया था कि कुछ ब्लड टाइप के लोग, खासकर ओ टाइप वाले कोविड के गंभीर मामलों में कुछ प्रतिरोध दिखाते हैं। कुछ अन्य शोध में एसीई2 रिसेप्टर जैसे प्रोटीनों का अध्ययन किया गया है। ध्यान रहे कि मानव कोशिका में दाखिल होने या उसमें अपना विस्तार करने के लिए वायरस को एसीई 2 रिसेप्टर प्रोटीन की जरूरत पड़ती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आबादी में कुछ लोगों में कोविड के खिलाफ आनुवंशिक प्रतिरोधकता के कारणों की पड़ताल करना जरूरी है और इसके लिए उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण के विरुद्ध कुदरती प्रतिरोध है,उनकी पहचान करनी चाहिए। शोध के लिए ऐसे लोगों की भर्ती की जानी चाहिए और उनका आनुवंशिक विश्लेषण किया जाना चाहिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि अध्ययन के लिए 400 से अधिक लोगों को सूचीबद्ध किया जा चुका है। कोविड के खिलाफ वैक्सीन और दवाएं विकसित होने तथा वायरस के बारे में समझ बढ़ने के बाद कुछ जगहों पर जीवन सामान्य दिखने लगा है। लेकिन कोविड अभी लंबे समय तक हमारे बीच रहेगा। यदि हमें ऐसे लोग मिल जाएं जो आनुवंशिक दृष्टि से कोविड को झेलने में सक्षम हैं तो इससे शेष अन्य लोगों को फायदा हो सकता है। इस तरह का अध्ययन भविष्य में वायरस की नयी खतरनाक किस्मों का मुकाबला करने में भी सहायक होगा। इस बीच, ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि कोविड से ठीक होने वाले मरीजों में कम से कम दस महीने तक एंटीबॉडीज बनी रहती हैं। उन्होंने महामारी की पहली लहर में संक्रमित होकर ठीक होने वाले मरीजों के रक्त के नमूनों का विश्लेषण करने के बाद यह बात कही है। पहले यह समझा गया था कि सार्स-कोव-2 की एंटीबॉडीज दूसरे कोरोना वायरसों की एंटीबॉडीज की तरह अल्पकालिक होंगी और प्रभावित व्यक्ति में संक्रमण फिर हो सकता है। भविष्य में नयी वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में यह खोज सहायक हो सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आनंद और आस्था की अभिव्यक्ति है जनजातीय नृत्य-संगीत

- लक्ष्मीनारायण पयोधि

मध्यप्रदेश का इन्द्रधनुषी जनजातीय संसार, जहाँ जीवन अपनी सहज निश्छलता के साथ आदिम मुस्कान बिखेरता हुआ पहाड़ी झरने की तरह गतिमान है। सघन वनों से आच्छादित एक ऐसा प्रदेश, जहाँ विन्ध्याचल, सतपुड़ा और अन्य पर्वत-श्रेणियों के उन्नत मस्तकों का गौरवगान करती हवाएँ और उनकी उपत्यकाओं में अपने कलकल निनाद से आनंदित करती नर्मदा, ताप्ती, तवा, पुनासा, बेतवा, चंबल, दूधी आदि नदियों की वेगवाही रजत-धवल धाराएँ मानो,वसुंधरा के हरे पृष्ठों पर अंकित पारंपरिक गीतों की मधुर पंक्तियाँ। ढोल, माँदर, गुदुम, टिमकी, डहकी, माटी माँदर, थाली, घंटी, कुंडी, ठिसकी, चुटकुलों की ताल पर जब बाँसुरी, फेफरिया और शहनाई की स्वर-लहरियों के साथ भील, गोण्ड, कोल, कोरकू, बैगा, सहरिया, भारिया आदि जनजातीय युवक-युवतियों की तरह विन्ध्य-शिखर थिरक उठते हैं तो पचमढ़ी की कमर में करधौनी की भाँति लिपटकर सतपुड़ा झूमने लगता है और भेड़ाघाट में अपने धुआँधार हर्षराग से दिशाओं को आनंदित करता नर्मदा का जलप्रपात। जनजातियों का नृत्य-संगीत प्रकृति की इन्हीं लीला-मुद्राओं का तो अनुकरण है। जनजाति समुदाय प्रायः प्रकृति सान्निध्य में रहते हैं। इसलिये निसर्ग की लय ताल और राग-विराग उनके शरीर में रक्त के साथ संचरित होते हैं। वृक्षों का झूमना और कीट-पतंगों का स्वाभाविक नर्तन जनजातियों को नृत्य के लिये प्रेरित करते हैं। हवा की सरसराहट, मेघों का गर्जन, बिजली की कौंध, वर्षा की साँगीतिक टिपटिप,पक्षियों की लयबद्ध उड़ान ये सब नृत्य-संगीत के उत्प्रेरक तत्व हैं। नृत्य मन के उल्लास की अभिव्यक्ति का सहज और प्रभावी माध्यम है। संगीत सुख-दुख यानी राग-विराग को लय और ताल के साथ प्रकट करता है। कहा जा सकता है कि नृत्य और संगीत मनुष्य की सबसे कोमल अनुभूतियों की कलात्मक प्रस्तुति हैं। जनजातियों के देवार्चन के रूप में आस्था की परम अभिव्यक्ति के प्रतीक भी। नृत्य-संगीत जनजातीय जीवन-शैली का अभिन्न अंग है।यह दिन भर के श्रम की थकान को आनंद में संतरित करने का उनका एक नियमित विधान भी है। जबलपुर, कटनी, मंडला, डिण्डौरी, पुष्पराजगढ़, उमरिया, शहडोल, सीधी, सिवनी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, बैतूल, रायसेन आदि ज़िलों में गोण्ड जनजाति समूह में करमा, सैला, भड़ौनी, बिरहा, कहरवा, ददरिया, सुआ आदि नृत्य-शैलियाँ प्रचलित हैं। गोण्ड समुदाय के 'सजनी' गीत-नृत्य की भाव-मुद्राएँ चमत्कृत करती हैं। इनका दीवाली नृत्य भी अनूठा होता है। माँदर, टिमकी, गुदुम, नगाड़ा, ठिसकी, चुटकी, झांझ, मंजीरा, खड़ताल, सींगबाजा, बाँसुरी, अलगोझा, शहनाई, तमूरा, बाना, चिकारा, किंदरी आदि इनके प्रिय वाद्य हैं। बैगा माटी माँदर और नगाड़े के साथ करमा, झरपट और ढोल के साथ दशेहरा नृत्य करते हैं। विवाह के अवसर पर ये बिलमा नृत्य कराते हैं। बारात के स्वागत में किया जाने वाला परघौनी नृत्य आकर्षक होता है। छेरता नृत्य नाटिका में मुखौटों का अनूठा प्रयोग होता है। इनकी नृत्यभूषा और आभूषण भी विशेष होते हैं। भील जनजाति समूह के लोग नृत्य को 'सोलो' या 'नास' कहते हैं। लाहरी, पाली, गसोलो, आमोसामो, सलावणी, दौड़ावणी, घोड़ी, भगोरिया आदि इस जनजाति समूह की बहु प्रचलित नृत्य-शैलियाँ हैं। भील नृत्य के साथ प्रायः बड़ा ढोल, ताशा, थाली, घंटी, ढाक, फेफरिया, पावली (बाँसुरी) आदि वाद्यों का प्रयोग करते हैं। कोरकू जनजाति के नृत्य प्रायः मिथकों पर आधारित और पर्व-प्रसंगों से जुड़े होते हैं। चैत्र में देव दशेहरा, चाचरी और गोगोल्या, वैशाख में थापटी, ज्येष्ठ में ढाँढल और डोडबली, श्रावण में डंडा नाच, क्वांर में होरोरया और चिल्लुड़ी, कार्तिक की पड़वा पर ढाट्या तथा वैवाहिक अवसरों पर स्त्रियों का गादली नृत्य प्रचलित है।यह जनजाति नृत्य के साथ ढोल, ढोलक, मृदंग, टिमकी, डफ, अलगोझा, बाँसुरी, पवई, भूगडू, चिटकोरा, झांझ आदि वाद्य बजाते हैं। भारिया जनजाति के लोगों को भड़म, सैतम और करम सैला आदि नृत्य प्रिय हैं। ये नृत्य के साथ ढोल, ढोलक, टिमकी, झांझ और बाँसुरी बजाते हैं। युवतियाँ भी मंजीरा और चिटकुला बजाती हैं। सहरिया जनजाति में स्वांग अधिक लोकप्रिय है। इसमें पुरुष ही स्त्रीवेश धारण करते हैं। ये मस्त होकर फाग नृत्य का आनंद लेते हैं तेजाजी और रामदेवरा प्रसंगों पर आधारित नृत्य विशेष रूप से करते हैं। ये चंग और ताशा वाद्यों का प्रयोग अधिक करते हैं। कोल, कोंदर और अन्य जनजातीय लोग भी विभिन्न अवसरों पर नृत्य-संगीत को विशेष महत्व देते हैं।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और जनजातीय संस्कृति के अध्येता हैं।)

सू-दोकू नवताल -1962

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू -1961 का हल

8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1962

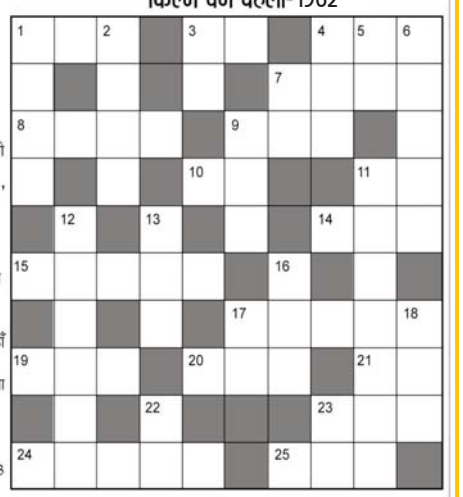

बायें से दायें:-

1. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-3
3. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
4. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
7. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
8. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2,2
9. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-2
11. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-2
14. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-3
15. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-2,2,1
17. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-2,3
19. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-3
20. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-3
21. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2
23. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-3
24. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
25. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-4
2. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-4
3. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
4. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-3
5. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
6. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-5
7. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
9. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-3
11. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-2,2,3
12. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
13. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
17. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
18. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-3
22. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-2
23. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1961

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	रा	ना		श	बा	ब		सं
	मी	ना		बा	रा	ज		दा	ता
आ	ब		का		बी		बा	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...

दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रैड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंएं रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में यैलो,ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है ।तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ -शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एंब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और च्वाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए-लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलावट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव चोली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इगनोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगैंट नजर आएंगी।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद

सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लूएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी-जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक-तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद - तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4-5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रैंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए-लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साडियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ थ्रैड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कटैपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन प्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियां पहननी चाहिए।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई-नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनरलाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार-सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न - यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकाल लें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज - फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलैट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शंस हैं जो आप दोनों एक-दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

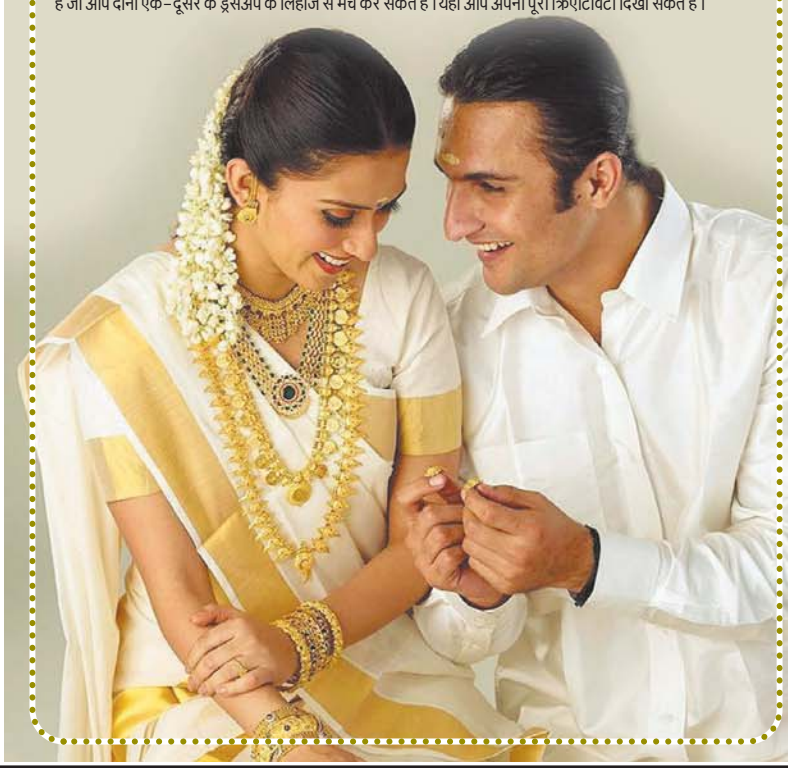

फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

लुक कूल विद हॉट स्टोल

ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढ़ेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमैंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरैंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढंके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रेंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल फ्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरैंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। झाड़ू करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पंसद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग-रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो चैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंफर्टेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंफर्टेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतना लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वूलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्कवेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वूलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चैकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट्र वाले स्टोल ट्रैंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनैस भी झलकती है और खूबसरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता ह। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ हीफेमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट कर रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉर्डर्स फैशन में है। वूलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती हैं और काफी गर्म होती हैं। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पशमीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती हैं। हैडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती हैं। ऑर्क फॉरेस्ट सिल्क स्टोल में सिल्ककी सॉफ्टनैस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।

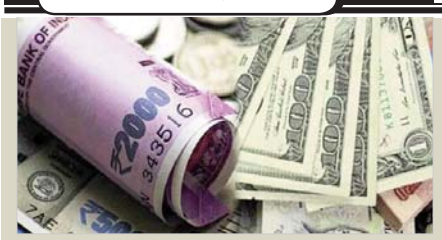

डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 74.48 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 74.48 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि, बाजार सूत्रों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम होने से रुपए की गिरावट पर अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.38 के स्तर पर खुला और फिर कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 74.48 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपए का पिछले शुक्रवार को बंद भाव 74.45 रुपए प्रति डॉलर था। कारोबार के दौरान रुपए में 74.31 से लेकर 74.49 रुपए के दायरे में घटबढ़ हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के अंत में 32.02 अंक की तेजी के साथ 60,718.71 अंक पर बंद हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत घटकर 95.06 रह गया। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 1.30 प्रतिशत घटकर 81.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

अमेरिकन एयरलाइंस ने 12 नवंबर से न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान शुरू की

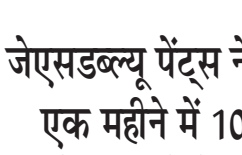

नई दिल्ली: अमेरिकन एयरलाइंस ने 12 नवंबर से न्यूयॉर्क-दिल्ली मार्ग पर दैनिक उड़ान शुरू की है। विमानन कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। अमेरिकन एयरलाइंस ने कहा कि न्यूयॉर्क-दिल्ली सेवा बोइंग 777-300 विमानों के माध्यम से संचालित की जाएगी, जिसमें प्रथम श्रेणी की आठ सीटें, बिजनेस क्लास की 52 सीटें, प्रीमियम इकोनॉमी क्लास की 28 सीटें और इकोनॉमी क्लास की 216 सीटें हैं।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स को 725.17 करोड़ के ठेके मिले

नई दिल्ली। पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने सोमवार को कहा कि उसे 725.17 करोड़ रुपए के दो ठेके मिले हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे 725.17 करोड़ रुपए के दो ठेकों के लिए अभिरुचि पत्र मिले हैं। कंपनी को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से भारतमाला परियोजना के तहत तेलंगाना में 645 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। इसके अलावा पावर मेक को हाव इंडिया से 80.17 करोड़ रुपए का एक और ठेका मिला है।

निवेशकों के हितों के लिए टी प्लस-1 निपटान चक्र लागू करना महत्वपूर्ण: सेबी प्रमुख

नई दिल्ली । सेबी प्रमुख अजय त्यागी ने रविवार को कहा कि फरवरी 2022 से चरणबद्ध तरीके से टी प्लस-1 निपटान चक्र को लागू करने के फैसले से निवेशकों के हितों की रक्षा करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में एक समारोह के दौरान कहा कि इसके अलावा पूंजी बाजार नियामक ने हाल के दिनों में निवेशकों की सुरक्षा के लिए कई नियामक उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि इन उपायों में अपफ्रंट मार्जिन फ्रेमवर्क, जोखिम-ओ-मीटर, ई-केवाईसी और प्रतिज्ञा-प्रतिग्रहण तंत्र के जरिए ग्राहकों की सुरक्षा शामिल है। उन्होंने कहा सकि फरवरी 2022 से चरणबद्ध तरीके से टी प्लस-1 (कारोबारी दिन के बाद एक दिन) निपटान को लागू करने का निर्णय निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। टी प्लस-1 का अर्थ है कि वास्तविक लेनदेने होने के एक दिन के भीतर बाजार कारोबार से संबंधित निपटान को मंजूरी देनी होगी। इस समय भारतीय शेयर बाजारों में कारोबार का निपटान लेनदेन के बाद दो कार्य दिवसों (टी प्लस-2) में किया जाता है।

महंगाई के मोर्चे पर लगा झटका, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 12.54 फीसदी हुई

(एजेंसी):

अक्टूबर में थोक महंगाई के मोर्चे पर सरकार को झटका लगा है। अक्टूबर महीने में थोक महंगाई 12.54 फीसदी पर रही है जबकि इसके 11.3 फीसदी पर रहने का अनुमान किया गया था। अक्टूबर में थोक महंगाई सितंबर के 10.66 फीसदी से बढ़कर 12.54 फीसदी पर आ गई है। अक्टूबर में कोर डब्ल्यूपीआई 11.09 फीसदी पर रही है सितंबर में यह 11.1 फीसदी पर रही थी। अक्टूबर में अंडा, मांस और मछली की थोक महंगाई दर 1.98 फीसदी पर रही है जो कि सितंबर में 5.18 फीसदी पर थी। अक्टूबर में प्याज की थोक महंगाई दर सितंबर के -1.91 फीसदी से घटकर -25.01 फीसदी पर पहुंच गई है जबकि आलू की थोक महंगाई दर सितंबर के -48.95 फीसदी से घटकर -51.32 फीसदी पर रही है। अक्टूबर में बने बनाए उत्पादों की थोक महंगाई 11.41 फीसदी से बढ़कर 12.04 फीसदी पर रही है जबकि सब्जियों की महंगाई दर सितंबर के -32.45 फीसदी से बढ़कर -32.45 फीसदी पर आगई है। अक्टूबर में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर 1.14 फीसदी से बढ़कर 3.06 पर आ गई है।

एनेरॉक रियल्टी स्टार्टअप कंपनियों के अधिग्रहण को जुटाएगी 750 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: प्रॉपर्टी सलाहकार फर्म एनेरॉक करीब 10 करोड़ डॉलर या 750 करोड़ रुपए की इक्विटी जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी इस राशि का इस्तेमाल संपत्ति प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप इकाइयों के अधिग्रहण और अपने कारोबार के विस्तार पर करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनेरॉक का बीते वित्त वर्ष 2020-21 में राजस्व 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 305 करोड़ रुपए रहा था। एनेरॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ''हम इक्विटी के रूप में 10 करोड़ डॉलर जुटाने की तैयारी कर रहे हैं। संपत्ति प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों के अधिग्रहण को लेकर बाजार में काफी संभावनाएं हैं। हम इनमें से कुछ कंपनियों का अधिग्रहण करना चाहते हैं।%% कंपनी का चालू वित्त वर्ष में 400-450 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य है।

चालू वित्त वर्ष में दोहरे अंक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था- सीईए

कोलकाता (एजेंसी):

निवर्तमान मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के वी सुब्रमण्यम ने रविवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2021-22 में दोहरे अंक में और अगले वित्त वर्ष में 6.5-7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। सीईए ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि आगे चलकर जिंस मुद्रास्फीति वी-आकार के पुनरुद्धार को कम करेगी। सुब्रमण्यम ने बताया, ''मुझे उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था इस साल (वित्त वर्ष 2021-22) दोहरे अंक में और अगले वित्त वर्ष में 6.5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसके आगे वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। वह भारतीय प्रबंधन संस्थान-कलकत्ता से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शहर में थे। आईएमएफ और अन्य संस्थानों के अनुमानों के मुताबिक भारत की वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत से 9.4 प्रतिशत के बीच रह सकती है। सुब्रमण्यम ने कहा कि लोग अक्सर किए गए महत्वपूर्ण सुधारों के प्रभाव को ध्यान में नहीं रखते हैं, यहां तक कि 1991 में किए गए सुधारों का निहितार्थ भी 99 प्रतिशत लोग नहीं समझ पाए थे। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में मौलिक सुधार किए हैं, जिनका प्रभाव आगे जाकर महसूस किया जा सकेगा।

13 साल बाद फिर जोश में रियल एस्टेट सैक्टर, एक साल में दोगुने हुए निवेशकों के पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी):

अमरीका में 2008 में लेमैन ब्रदर्स में संकट आने के बाद भारत में धराशायी हुआ रियल एस्टेट सैक्टर 13 साल बाद एक बार फिर बुलिश ट्रैंड में आ गया है। निफ्टी का रिएल्टी इंडैक्स अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को बाजार बंद होने के समय 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 544.65 पर बंद हुआ। इससे पहले इस इंडैक्स ने 8 अक्तूबर 2010 को 515 का स्तर छुआ था। निफ्टी के रियल्टी इंडेक्स में 10 साल के लंबे समय के बाद 21 सितंबर को ब्रेक आऊट हुआ था और इसने 3 जनवरी 2011 के 388 अंक के अपने उच्चतम स्तर को तोड़ा जबकि बी.एस.ई. का रिएल्टी इंडेक्स शुक्रवार को 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 4310.71 पर बंद हुआ। हालांकि यह इंडैक्स 2008 के अपने उच्चतम स्तर 13848 से अभी भी काफी नीचे है। 8 जनवरी 2008 को बी.एस.ई. के रिएल्टी इंडैक्स ने यह उच्चतम स्तर छुआ था। पिछले साल कोरोना के कारण बाजार में आई भारी गिरावट के बाद बी.एस.ई. का रिएल्टी इंडेक्स 13 नवम्बर को 1884.39 तक पहंच गया था लेकिन पिछले एक साल में इसने दोगुनी छलांग लगाई है और अब यह 4310.71 तक पहुंच गया है। यह अक्तूबर 2009 के बाद का इस इंडेक्स का उच्चतम स्तर है और यदि यह अपने 18 सितम्बर 2009 के 4474 के स्तर को तोड़ देता है तो इसमें भी 12 साल बाद मल्टी ईयर ब्रेकअप बनेगा और रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश करने वाले निवेशकों की चांदी हो सकती है।

7 शहरों में प्रापर्टी की मांग में 113त्न की तेजी

नाइट फ्रेंक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सितम्बर महीने में ही देश के टॉप 7 शहरों में घरों की मांग में 113 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ए.एम.एस. प्रोजैक्ट कंसल्टेंट के निदेशक विनीत डुंगरवाल का मानना है कि बैंकों के लोन अभी सस्ते हैं और कई राज्य सरकारों ने प्रापर्टीज की रजिस्ट्रेशन की फीस कम की है, जिसका लोग फायदा उठा रहे हैं और सितम्बर, अक्तूबर व नवम्बर में देश के रियल एस्टेट सैक्टर में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है और आने वाले महीनों में भी मांग में तेजी जारी रह सकती है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही हैं।

ब्रोकरेज हाऊस रियल एस्टेट सेक्टर में बुलिश

रियल एस्टेट सैक्टर में चल रही तेजी के कारण ब्रोकरेज हाऊसिस ने निवेशकों को इस सैक्टर में निवेश करने की सलाह दी है। आई.सी.आई.सी.आई. डायरैक्ट ने अपने निवेशकों को 540 रुपए के लक्ष्य के साथ प्रेस्टीज एस्टेट और डी.एल. एफ. में निवेश करने की सलाह दी है। जबकि डी.एल.एफ के लिए 440 रुपए का लक्ष्य दिया गया है। इसी प्रकार एच.डी.एफ.सी. सिक्योरिटीज ने शोभा डेवेलपर्स के शेयर पर 964 रुपए का लक्ष्य लेकर निवेश करने की सलाह दी है।

मम्बई में प्रापर्टी की मांग 10 साल के उच्चतम स्तर पर

नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक देश में सस्ती ब्याज दर पर मिल रहे होमलोन और डिवेल्पर द्वारा दी गई आकर्षक योजनाओं के कारण रियल एस्टेट सैक्टर की बिक्री में भारी उछाल आया है। अक्तूबर महीने में ही मुम्बई में प्रापर्टी की रजिस्ट्रेशन 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अगस्त में मुम्बई में रोजाना 219 प्रापर्टीज की रजिस्ट्रेशन हुई.

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बावजूद सेंसेक्स में 32 अंक की मामूली बढ़त

(एजेंसी):

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बावजूद सोमवार को सेंसेक्स मामूली लाभ के साथ बंद हुआ। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आने के बाद बाजार ने अपना शुरुआती लाभ गंवा दिया। हालांकि, आखिर में बाजार लाभ के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 32.02 अंक या 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,718.71 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 6.70 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 18,109.45 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड का शेयर सबसे अधिक तीन प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गया। आईटीसी, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। अन्य कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर 0.83 प्रतिशत और इन्फोसिस 0.31 प्रतिशत के लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील का शेयर सबसे अधिक 3.24 प्रतिशत टूट गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.19 प्रतिशत का नुकसान रहा। बजाज ऑटो, रिलायंस, एसबीआई और भारती एयरटेल भी गिरावट के साथ बंद हुए। आनंद राठी के प्रमुख इक्विटी शोध (बुनियादी) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशियाई बाजारों के मिले-जुले रुख के बावजूद सोमवार को भारतीय बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुले। एशियाई बाजारों में चीन में गिरावट रही, जबकि वहां उपभोक्ता खर्च के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे हैं। दोपहर के कारोबार में बाजार ने अपना शुरुआती लाभ गंवा दिया। हालांकि स्वास्थ्य सेवा, आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में लिवाली का सिलसिला चला। सोलंकी ने कहा कि अक्टूबर माह की थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 12.54 प्रतिशत पर पहुंच गई है। सितंबर में यह 10.66 प्रतिशत और अक्टूबर, 2020 में 1.31 प्रतिशत पर थी। मुद्रास्फीति के आंकड़ों की वजह से दोपहर के कारोबार में बाजार ने अपना शुरुआती लाभ गंवा दिया। बीएसई मिडकैप 0.41 प्रतिशत चढ़ गया। स्मॉलकैप में 0.19 प्रतिशत का नुकसान रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार लाभ और हानि के बीच कारोबार करते रहे। वैश्विक बाजारों के उतार-चढ़ाव तथा घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति के आंकड़ों से बाजार का लाभ सीमित रहा। कोविड-19 को लेकर नए सिरे से अंकुश लगाए जाने के बावजूद चीन का औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 3.5 प्रतिशत बढ़ा है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, ''वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से यहां भी शुरुआत मजबूती के साथ हुई लेकिन बाद में विभिन्न क्षेत्रों में मुनाफावसूली का सिलसिला चलने से बाजार का लाभ सिमट गया।%% अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। हांगकांग के हैंगसेंग, जापान के निक्की और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में लाभ रहा। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 1.33 प्रतिशत टूटकर 81.08 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया तीन पैसे के नुकसान के साथ 74.48 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने अपने कारोबार की शुरुआत के 100 हफ्ते के भीतर एक महीने में 100 करोड़ रुपये की बिक्री के आंकड़े को पार किया

पिछले कुछ महीनों में अर्थव्यव-स्था में सुधार, मांग में वृद्धि तथा ग्राहकों द्वारा पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को प्राथमिकता दिए जाने की वजह से, भारत में सबसे अधिक पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स का निर्माण करने वाली एवं 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की परिसंपत्ति वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा, जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने अक्टूबर 2021 में 100 करोड़ रुपये की मासिक बिक्री (जेएसडब्ल्यू पेंट्स की 100 में 100 उपलब्धियां) के आंकड़े को पार किया। व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इस प्रकार जेएसडब्ल्यू पेंट्स सर्वाधिक तेज गति से यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारतीय पेंट कंपनी बन गई है। 100 करोड़ रुपये मासिक बिक्री को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, जेएसडब्ल्यू पेंट्स वित्त-वर्ष 22 में 1,000 करोड़ रुपये के राजस्व के आंकड़े को पार करने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

श्री ए. एस. सुंदरेशन, ज्वाइंट एमडी एवं सीईओ, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, ने कहा, “महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पिछले 100 हफ्तों में हमारी प्रगति, सही मायने में हमारे ग्राहकों द्वारा “एनी कलर वन प्राइस” जैसी अनोखी विचारधारा को स्वीकार करने का प्रमाण है। हमारी टीम के ज्यादातर सदस्यों की आयु 30 साल से कम है, और ऐसी युवा टीम ने स्टार्ट-अप की मानसिकता के साथ इतने कम समय में 100 करोड़ मासिक बिक्री के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता पाई है। जेएसडब्ल्यू पेंट्स क्षितिज ESOP-2021 उनके प्रयासों का सम्मान करता है और उन्हें हर दिन एक नए विचार के साथ इस बदलाव को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।”

जीजेईपीसी द आर्टिसन अवार्ड्स 2022 के 5वें संस्करण के लिए डिज़ाइनरर्स को एंट्रीज आमंत्रित करता है

जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) भारत के सबसे प्रतिष्ठित ज्वैलरी डिजाइन अवार्ड्स - द आर्टिसन अवार्ड्स 2022 के 5वें संस्करण के लिए एंट्रीज को आमंत्रित करता है। 4 सफल संस्करणों के बाद, जीजेईपीसी एक और चुनौतीपूर्ण थीम “द कलेक्टर्स” के साथ अवॉर्डस आयोजित करने जा रहा है। जिसके लिए उद्योग जगत की तीन प्रतिष्ठित महिलाओं - एलिजाबेथ टेलर, बारबरा हटन और वालिस सिम्पसन पर ध्यान केंद्रित करते हुए - जिनकी अलग-अलग शैलियाँ थीं और जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को परिभाषित और बढ़ाने वाले सिग्नेचर गहनों के लिए अद्भुत कला थी। एंट्रीज जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2021 है।

कॉलिन शाह, अध्यक्ष, जीजेईपीसी ने विस्तार से बताया, च्कलेक्टर्स द्वारा अपने जीवनकाल में संरक्षित किए गए रत्नों और बाउबल्स में इस संस्करण के माध्यम से जानने के लिए अलग-अलग कहानियां हैं। महिलाओं का यह विशेष युग दशकों पहले दुखद रूप से समाप्त हो गया था, लेकिन उनकी विरासत जीवित है और ठीक यही हम आर्टिसन अवार्ड्स 2022, 5 वें संस्करण के माध्यम से हासिल करना चाहते हैं। हमे हमेशा से दुनिया के सभी हिस्सों से आर्टिसन अवार्ड्स के लिए एंट्रीज प्राप्त होती रही है और समय के साथ हमेशा से आर्टिसन अवार्ड्स ने यह साबित किया है कि अपने दृष्टिकोण में वैश्विक है, अपनी अनोखी समावेशिता के कारण यह कैरियर को आगे बढ़ाने में बेहद ही महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

मिलन चोकशी, संयोजक, प्रमोशंस, मार्केटिंग और बिज़नेस डेवलपमेंट, जीजेईपीसी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि, “आर्टिसन अवार्ड्स 2022 का वर्तमान संस्करण, आभूषण डिजाइनिंग में अपनी रचनात्मक महत्वाकांक्षाओं को अधिकतम करने के लिए अभिनव पेशेवरों के लिए एक मंच प्रदान करने का एक प्रयास है। हमने हमेशा अनन्य, पहले कभी न देखे गए, एक तरह के अनूठे गहने देखे हैं जो इस उद्योग के लिए सक्षम नवाचार के स्तर को उजागर करते हैं। अभी कई और सीज़न आने बाकी हैं, द आर्टिसन ज्वैलरी स्पेस में अभूतपूर्व सोच के लिए एक हॉलमार्क बनने की राह पर है और जीजेईपीसी में हम वास्तव में उसी के लिए तत्पर हैं। “

घर से काम करने के दौरान डाइट के विकल्प

वर्ष 2019 के आखिर में जब वैश्विक महामारी आई थी, तब दुनिया डिजिटाइजेशन के रास्तों पर तेजी से आगे बढ़ रही थी। दुनियाभर में दूर बैठी टीमों और सहकर्मियों से जुड़ने के विकल्पड रोजाना के काम का स्व रूप बन गये, चाहे आपका सहकर्मी आपकी ही गली में रहता था। घर ने नये वर्कप्ले स का रूप ले लिया था, जो वीडियो कॉलिंग और कई अन्य डिजिटल प्लोटफॉर्म्स से जुड़ा था। जो लोग ऑफिस के कैफेटेरिया या भोजन की दुकान पर निर्भर थे, उनके सामने नई चुनौतियाँ थीं कि घर को कार्यस्थजल बनाने से उनका भोजन प्रभावित न हो। और इसलिये, जैसे ही घर काम करने का एक नया स्थारन बना, घर के किचन का महत्व। भी बढ़ गया, क्योंकि लोगों ने होम कुकिंग में वापसी की। वैश्विक महामारी ने हमें थोड़ा रूककर अपनी डाइट और जीवनशैली का मूल्यांरकन करने का मौका दिया है और इस प्रकार, आगे के लिये स्वाअस्य्टे कर विकल्पों पर ध्यारन देना जरूरी है।

डाइनिंग पर निर्भरता में बदलाव या घर का बना भोजन अपनाना ऐसे कई फायदे देता है, जो लंबी अवधि में उपभोक्तापओं की सेहत को बदल सकते हैं। एक हालिया सर्वे भी बताता है कि 10 में से 7 उपभोक्तातओं ने घर पर ही कुकिंग करना जारी रखने की बात कही है और इस प्रकार हमें अपने आहार पर नियंत्रण रखने और सेहतमंद विकल्पि अपनाने का मौका मिल रहा है। ऐसा ही एक सेहतमंद विकल्पह है पाम ऑयल, जो कुकिंग के लिये इस्तेपमाल होने वाले बहुउपयोगी तेलों में से एक है। कम वसा वाले समग्र आहार के तहत पाम ऑयल ने टोटल कोलेस्ट्रॉकल और लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉ ल का सही स्तेर बनाये रखने में अपना प्रभाव दिखाया है। यह प्रमाणित है कि पाम ऑयल से युक्त् डाइट असल में कोलेस्ट्रॉरल का स्तंर घटा सकता है- वर्ष 2015 में फूड एंड फंक्श न पत्रिका में प्रकाशित एक क्लिनिकल ट्रायल में पाम ऑयल और ऑलिव ऑयल, दोनों ने कोलेस्ट्रॉपल को 15 प्रतिशत कम किया था। पाम ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो स्वालस्य् घ लाभ के लिये प्रमाणित हैं। पाम ऑयल में कोलेस्ट्रॉलि और ट्रांस-फैट नहीं होते हैं, जिन्हें शरीर के लिये अस्वा स्थ्यै। कर और हानिकारक माना जाता है। यह प्रमाणित है कि बाहर का खाना उपभोक्तो को प्रत्यंक्ष और अप्रत्यबक्ष नुकसान पहुँचाता है। आकलनों ने दिखाया है कि एक सामान्यक भारतीय परिवार बाहर खाने पर प्रतिमाह सीधे तौर पर औसतन 2500 रूपये खर्च करता है, जबकि कुछ शहरों में यह खर्च 3500 रूपये प्रतिमाह तक है। हालांकि, अपने स्वाचस्य्ं पर इसका प्रभाव जानना भी जरूरी है, क्योंकि खाने में डाली जाने वाली चीजों, खासकर तेल का पता नहीं होता है। पाम ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो स्वालस्य्है लाभ के लिये जाने जाते हैं। इसकी तुलना में ज्याअदातर वनस्पनति तेल, जैसे सोयाबीन और सूर्यमुखी कमरे के तापमान पर तरल अवस्थाि में रहते हैं; तो कई खाद्य उत्पारदों के लिये उपयोगी बनाने के लिये इन्हेंऔ एक औद्योगिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, ताकि यह अर्द्ध-ठोस हो जाएं। हाइड्रोजीनेशन नामक इस प्रक्रिया में ट्रांस फैट्स बनते हैं, जो कार्डियोवैस्कुगलर रोगों का कारण बन सकते हैं। ट्रांस फैट्स का सेवन स्वापस्थ्ंय पर नकारात्म क प्रभाव छोड़ता है, इसमें प्लातज्माख लिपिड का स्तैर बढ़ना भी शामिल है।

सिगाची के शेयर बीएसई पर 575 रुपए तेजी के साथ लिस्ट हुए

मुंबई (एजेंसी)।

इक्रोक्रिस्टालाइन लुलोज बनाने ाली कंपनी सिगाची कंपनी के यरों की लिस्टिंग 5 नवंबर को बरदस्त रही। ंपनी का इश्यू प्राइस 163 रुपए लेकिन बीएसई पर इसके शेयर 75 रुपए (252.76 फीसदी) जी के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी शेयरों की दमदार लिस्टिंग की म्मीद पहले से थी क्योंकि मार्केट में इसके अनलिस्टेड यरों का प्रीमियम जबरदस्त चल हा था। लिस्टिंग के बाद कंपनी ा शेयर कारोबार के दौरान इश्यू ाइस से 270.40 फीसदी की जी के साथ 603.75 रुपए तक या। कंपनी का आईपीओ 1 वंबर को खुला था और 01.91 गुना अधिक सब्सक्राइब कया गया है। सिगाची इंडस्ट्रीज मसीसी बनाती है। यह एक ॉलीमर है जिसका इस्तेमाल दवा द्योग में होता है। कंपनी के प्लांट दराबाद और गुजरात में है जहां 0 तरह का एमसीसी बनाया ाता है। कंपनी हाईसेल और सीसेल ब्रांड से ये प्रॉडक्ट बनाती । वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का ॉपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन 233 ीपीएस की तेजी के साथ 20.13 तिशत रहा। इस बीच पॉलिसी बाजार की पैरंट कंपनी पीबी फाइनटेक का शेयर 17.3 फीसदी प्रीमियम के साथ 1,150 रुपए पर बीएसई पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 980 रुपए था। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस से 22.35 फीसदी तेजी के साथ 1199 रुपए तक गया। पीबी फिनटेक के आईपीओ को 16.58 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया था। कंपनी ने इस आईपीओ से करीब 5,625 करोड़ रुपए जुटाए थे। एसजेएस एंटरप्राइजेज का शेयर भी आज स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुआ लेकिन यह निवेशकों को निराश कर गया। कंपनी के 800 करोड़ रुपए के आईपीओ को लेकर निवेशकों में खास उत्साह देखने को नहीं मिला था और इसे 1.59 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया। इसका इश्यू प्राइस 542 रुपए था और यह 540 रुपए पर लिस्ट हुआ। कारोबार के दौरान यह इश्यू प्राइस से 3.14 फीसदी गिरावट के साथ 525 रुपए पर आ गया था।

आईसीसी ध्यान दे लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें ही कैसे जीतीं : गावस्कर

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार टी20 विश्व में सभी मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। उसपर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) को गौर करना होगा। इस पूरे टूर्नामेंट में 45 मैचों में से 29 में दूसरे स्थान पर बल्लेबाजी करने वाली टीम विजयी हुई है। सभी 3 नॉकआउट मैच (2 सेमीफ़ाइनल और फाइनल) लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीते हैं। गावस्कर को लगता है कि आईसीसी को इस तथ्य पर भी गौर करने की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, कमेंटेटर कह रहे थे कि ओस आज कारक नहीं था, इसलिए मुझे नहीं लगता कि वास्तव में इस मैच में इतना फर्क आया पर मुझे लगता है कि पिछले मैचों में शायद यह कुछ ऐसा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। मुझे लगता है कि आईसीसी के लिए यह कुछ ऐसा है कि वह अपना ध्यान दें और तय करें कि दोनों टीमों के लिए खेल का मैदान एक समान हो।

इंडोनेशिया मास्टर्स

सिंधू की निगाह खिताब पर, साइना और समीर हटे

बाली (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए खिताब जीतने की कोशिश करेगी जबकि साइना नेहवाल और समीर वर्मा चोटिल होने के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सिंधू पिछले लंबे समय से खिताब नहीं जीत पाई है। वह हाल में डेनमार्क में क्वार्टर फाइनल और फ्रांस में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने अपना आखिरी खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप के रूप में जीता था। वह इस साल के शुरू में स्विस ओपन के फाइनल में पहुंची थी। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय की इंडोनिशया से अच्छी यादें जुड़ी हैं। वह दो साल पहले जकार्ता में फाइनल में पहुंची थी। वह अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड की सुपानिदा कैटथोंग से भिड़ेगी। सिंधू अगले दो दौर में स्पेन की क्लारा अजुरमेंदी और कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से भिड़ सकती है। सेमीफाइनल में उन्हें जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकीने यामागुची का सामना करना पड़ सकता है। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना और समीर चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे। साइना जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से जबकि समीर पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान हैं। किदाम्बी श्रीलंका और लक्ष्य सेन पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। लक्ष्य पुरुष एकल के अपने पहले मैच में जापान के कांता सुनेयामा से भिड़ेंगे, जबकि समीर के बाहर होने के बाद श्रीकांत का सामना क्वालीफायर से होगा। ओलंपियन बी साई प्रणीत का सामना इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो से होगा जबकि एचएस प्रणय को अपने पहले मैच में छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोनाथन क्रिस्टी का सामना करना है। पारुपल्ली कश्यप का सामना डेनमार्क के हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस से होगा। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी मलेशिया के ओंग यू सिन और टियो ई यी से जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी से भिड़ेगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी डेनमार्क की एलेक्जेंड्रा बोए और मेटे पॉल्सन से भिड़ेगी। मिश्रित युगल में अश्विनी ने बी सुमित रेड्डी के साथ और सिक्की ने ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायी है।

भारत-पाक सीरीज को लेकर बोले सौरव गांगुली- यह सरकार के हाथों में है

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला की बहाली संबंधित सरकारों के हाथों में है, न कि क्रिकेट बोर्ड्स के। उल्लेखनीय है कि आईसीसी आयोजनों को छोड़कर दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे के खिलाफ खेले हुए बहुत लंबा समय हो गया है। दोनों देशों ने अपनी आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012 में खेली थी। पाकिस्तानी टीम ने इस भारतीय दौरे पर तीन वनडे और दो टी-20 मैच खेले थे। वनडे सीरीज 2-1 से पाकिस्तान के नाम रही थी, जबकि टी-20 श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ हुई थी। गांगुली ने बीते शुक्रवार को 40वें शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में एक सवाल के जवाब में भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला न होने के पीछे कूटनीतिक कारणों को वजह बताया। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकारों की अनुमति और सहमति की जरूरत है, न कि क्रिकेट बोर्ड्स की। उल्लेखनीय है कि इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख रमीज राजा ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला आयोजित करना असंभव है। दोनों देशों की टीमों के बीच हालांकि आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 के लीग चरण के शुरुआती मैच में भिड़ंत हुई थी, जहां आईसीसी टूर्नामेंटों के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान ने भारत को हराया था। पाकिस्तान ने इसके बाद अपने सभी मैच जीत कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से हारने और अन्य तीन टीमों से जीतने के बाद छह अंकों के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी।

एटीपी फाइनल्स : मेदवेदेव और जेवरेव जीते, बेरेटिनी घायल

तूरिन (इटली) । यूएस ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने अपनी दमदार सर्विस और बेसलाइन पर शानदार खेल से एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में ह्यूबर्ट हरकाज्स को 6-7 (5), 6-3, 6-4 से हराया। रेड ग्रुप में दिन के दूसरे मैच में 2018 के चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव ने इटली के मैटियो बेरेटिनी के हटने के कारण मैच अपने नाम किया। बेरेटिनी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे सेट में हट गये थे। जेवरेव ने पहला सेट 7-6 (7) से जीता था। जब बेरेटिनी ने हटने का फैसला किया तब जेवरेव दूसरे सेट में 1-0 से आगे चल रहे थे। शीर्ष रैंकिंग के नोवाक जोकोविच ग्रीन ग्रुप में अपना पहला मैच आठवीं वरीयता प्राप्त कास्पर रूड से खेलेंगे जबकि चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सिटसिपास पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव का सामना करेंगे।

महिला जूनियर वर्ल्ड कप हॉकी के लिए भारतीय टीम घोषित, झारखंड की तीन खिलाड़ियों को मिली जगह

रांची (एजेंसी)।

दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले जूनियर महिला हॉकी वर्ल्डकप के लिए सोमवार को भारतीय टीम घोषित कर दी गयी। 18 सदस्यीय टीम में झारखंड की तीन खिलाड़ी शामिल की गयी हैं। हॉकी झारखंड के प्रमुख भोलानाथ सिंह ने यह जानकारी दी। भारतीय टीम की कप्तानी लालरेमसियामी को सौंपी गयी है, जबकिइशिका चौधरी उपकप्तान होंगी। इस टीम में झारखंड की जिन तीन खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है, उनमें सलीमा टेटे, संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग शामिल हैं। तीनों ही झारखंड के सिमडेगा जिले की रहने वाली हैं। बता दें कि इनमें से सलीमा टेटे टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला टीम में भी शामिल थीं। भोलानाथ सिंह ने बताया कि भारतीय टीम 28 नवंबर को इस प्रतियोगिता में भाग लेने को दक्षिण अफ्रीका रवाना होगी। जूनियर भारतीय टीम के 28 खिलाड़ियों का विशेष कैंप बेंगलुरु में चल रहा था, जिसमें से 18 खिलाड़ियों को चुना गया है। वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें शामिल होंगी, जिन्हें चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में नीदरलैंड, कोरिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे हैं। पूल बी में इंग्लैंड, बेल्जियम, कनाडा और उरुग्वे शामिल, पूल सी में अर्जेंटीना, भारत, जापान और रूस हैं जबकि पूल डी में जर्मनी, स्पेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका हैं। भारतीय टीम 6 दिसंबर को रूस के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। राउंड रॉबिन लीग में अपने दूसरे मैच में 7 दिसंबर को वह गत चैंपियन अर्जेंटीना से भिड़ेगी। इसके बाद 9 दिसंबर को जापान के खिलाफ उसका मैच होगा। नॉकआउट मैच 10 दिसंबर से 16 दिसंबर के बीच होंगे।

पूरी टीम इस प्रकार है-

लालरेमसियामी (कप्तान), इशिका चौधरी (उपकप्तान), बिचु देवी खरीबाम (गोलकीपर), खुशबू (गोलकीपर), अक्षता अबसो ढेकाले, प्रियंका, मरीना लालरामनघाकी, अजमीना कुजूर, बलजीत कौर, रीत, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका,मुमताज खान, संगीता कुमारी, जीवन किशोरी टोप्पो।

संक्षिप्त समाचार

आदिल रशीद ने रफीक के आरोपों का किया समर्थन, माइकल वॉन ने की थी नस्लीय टिप्पणी

लंदन । इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल रशीद ने माइकल वॉन के खिलाफ नस्लवाद के यॉर्कशर टीम के पूर्व साथी अजीम रफीक के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा है कि वह इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि पूर्व कप्तान की टिप्पणियां एशियाई खिलाड़ियों के लिए थी। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची इंग्लैंड टीम के सदस्य रशीद ने कहा कि वह रफीक के दावों की जांच के लिए किसी भी आधिकारिक जांच में सहयोग के लिए तैयार हैं। रफीक ने यॉर्कशर के खिलाफ संस्थागत नस्लवाद के आरोप लगाए हैं। वॉन इसके पूर्व कप्तान थे और रशीद अभी भी इसके लिए खेलते हैं। उन्होंने दावा किया था कि वॉन ने 2009 में एक मैच से पहले टीम के एशियाई खिलाड़ियों के समूह से कहा था कि उनकी संख्या बहुत ज्यादा है और इसके लिए कुछ करना होगा। रशीद ने कहा कि मैं अपने क्रिकेट पर फोकस करना चाहता था और ऐसा कुछ नहीं करना चाहता था कि टीम को नुकसान हो लेकिन मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं कि माइकल वॉन ने वह टिप्पणी एशियाई खिलाड़ियों के समूह के लिये की थी। नस्लवाद जीवन के हर क्षेत्र में कैंसर की तरह है। इसका सफाया जरूरी है ।

मिशेल मार्श ने एशेज टीम में रहने का अधिकार अर्जित कर लिया है : इयान हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेट खिलाड़ी इयान हीली का मानना है कि मिशेल मार्श ने आईसीसी टी20 विश्व कप में और खासकर के रविवार रात को न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद 8 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए टीम में शामिल होने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। मार्श को ऑस्ट्रेलिया की आठ विकेट की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 50 गेंदों में 77 रन बनाकर कीवियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मार्श ने यूएई में 62 की औसत से 185 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज हीली को लगता है कि मार्श ऑस्ट्रेलिया के दाहिने हाथ के बल्लेबाज की समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने एसईएन 1170 ब्रेकफास्ट से सोमवार को कहा, मेरे पास उसके लिए एशेज में नंबर पांच का स्थान होगा, अगर वह किसी भी प्रकार की लाल-गेंद की क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है और उसकी फॉर्म लाइन जारी रहती है, तो मैं उसे टीम के अंदर कर रहा हूं। हीली ने कहा, मुझे लगता है कि हमें वहां एक अतिरिक्त दाहिने हाथ की जरूरत है और वह वही व्यक्ति है। मैं उसे वहां रखूंगा, इसलिए मैं उसके बारे में बहुत सोचता हूं। हालांकि, एक और महान क्रिकेट खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि सफेद गेंद वाला क्रिकेट लाल गेंद वाले क्रिकेट से बिल्कुल अलग है। चैपल ने हालांकि कहा कि मार्श पर विचार किया जाना चाहिए।

टी20 विश्व कप : मैथ्यू वेड बोले, ऑस्ट्रेलिया के लिए खिताब जीतना बड़ी उपलब्धि

दुबई (एजेंसी)।

विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पुरुष टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। उनके देश। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में डेविड वार्नर (38 गेंदों में 53 रन) के एक महत्वपूर्ण अर्धशतक के साथ मिशेल मार्श (50 गेंदों पर नाबाद 77) की एक नाबाद नाबाद पारी ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी पहली पुरुष टी 20 विश्व कप ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया। मैथ्यू वेड ने कहा, यह बहुत बड़ा है। पहला टी 20 विश्व कप आ रहा है, ऐसा महसूस हुआ कि बहुत से लोगों ने हमें जल्दी छोड़ दिया, लेकिन आंतरिक रूप से हमने इस बारे में बात की कि हम ऑस्ट्रेलिया के लिए इसे हासिल करने वाली पहली टीम कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आज हमें विश्वास था कि अगर हम अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। शुक्र है कि मिच (मार्श), डेवी और मैक्सी ने ऐसा किया। स्टार बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ ने भी वेड की भावनाओं को प्रतिध्वनित करते हुए कहा कि यहां से ट्रॉफी घर ले जाना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा,यह बहुत मायने रखता है। हमने लंबे समय तक कड़ी मेहनत की है। वार्नर के पिछले दो सप्ताह अद्भुत रहे हैं। वह आया असाधारण इरादे के साथ और शुरुआत में खेल को दूर ले गया।

लुईस हैमिल्टन ने ब्राजील ग्रां प्री जीतकर खिताब की उम्मीदें रखी बरकरार

साओ पाउलो(एजेंसी) ।

मर्सीडीज के ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने विषम परिस्थितियों के बावजूद ब्राजील ग्रां प्री में जीत दर्ज करके रेडबुल के ड्राइवर मैक्स वर्सटाप्पन के साथ फार्मूला वन खिताब की अपनी जंग को जीवंत बनाए रखा। सात बार के विश्व चैंपियन हैमिल्टन ने जुर्माना लगने के कारण ग्रिड में 10वें स्थान से शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद वह वर्सटाप्पन को हराने में सफल रहे। पिछली बार 2019 में आयोजित इस रेस के विजेता वर्सटाप्पन दूसरे स्थान पर रहे। वर्सटाप्पन की ड्राइवर चैंपियनशिप में हैमिल्टन पर बढ़त अब केवल 14 अंक की रह गई है। अभी तीन रेस होनी बाकी हैं। रेस के विजेता को 25 अंक मिलते हैं। हैमिल्टन के साथी वलटेरी बोटास तीसरे जबकि रेडबुल के सर्जियो पेरेज चौथे स्थान पर रहे। फेरारी के चार्ल्स लेकरेक ने पांचवां और कार्लोस सेंज ने छठा स्थान हासिल किया। हैमिल्टन की जीत से मर्सीडीज ने टीम तालिका में रेडबुल पर 11 अंक की बढ़त बना ली है। अगली रेस 21 नवंबर को कतर में होगी जिसके बाद सऊदी अरब और अबुधाबी में रेस का आयोजन किया जाएगा।

फुटसाल में भारत के लिये 'गेम-चेंजर' बनने की क्षमता : एआईएफएफ महासचिव

नयी दिल्ली।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास को लगता है कि फुटसाल क्लब चैम्पियनशिप में देश में 'गेम-चेंजर' बनने की क्षमता है। यह चैम्पियनशिप शनिवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में समाप्त हुई जिसमें दिल्ली एफसी पहली चैम्पियन बनी। टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद दास ने चैम्पियनशिप को सफल बनाने के लिये सभी पक्षों के प्रयासों की प्रशंसा की। महासंघ की वेबसाइट पर दास ने कहा, ''मुझे लगता है कि देश में फुटसाल में अपार क्षमता है। मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट भारत में फुटसाल के लिये 'गेम-चेंजर' होगा।

टी20 विश्वकप के तुरंत बाद भारत के दौरे से खुश नहीं हैं न्यूजीलैंड के कोच

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार का सामना करने के बाद महज तीन दिन बाद शुरू हो रहे भारत के दौरे को लेकर न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि उनकी टीम 'कठिन और चुनौतीपूर्ण' स्पर्धा के लिए तैयार है। न्यूजीलैंड का भारत दौरा 17 नवंबर को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ शुरू होगा। श्रृंखला का दूसरा और तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 19 और 21 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत दो मैचों की श्रृंखला के मैच कानपुर और मुंबई में खेले जाएंगे। स्टीड ने कहा कि मेरी याद में यह पहली बार है जब हम टी20 विश्व कप के तुरंत बाद एक और श्रृंखला के लिए इतनी जल्दी पहुंच गए हैं। निश्चित तौर पर यह मुश्किल और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जो भी हो, यह हमारे सामने है। टेस्ट टीम के ऐसे सदस्य, जो टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं वे पहले से ही भारत में हैं। न्यूजीलैंड की टीम के सहयोगी सदस्यों के लिए यह काफी व्यस्त समय होगा क्योंकि अगले कुछ सप्ताह में उन्हें टेस्ट खिलाड़ियों को सुबह, जबकि टी20 खिलाड़ियों को शाम में अभ्यास कराना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे 9 से 10 खिलाड़ी पहले से ही भारत में है जो उन टेस्ट मैचों की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम अपना स्तर ऊंचा कर भारत के खिलाफ वास्तव में शानदार प्रदर्शन कर सकेंगे। न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ी अलग-अलग समय अवधि के लिए बायो-बबल में रहे हैं। उनके टी-20 टीम के 10 सदस्यों ने संयुक्त अरब अमीरात में आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में प्रतिस्पर्धा किया था, जबकि ग्लेन फिलिप्स और जिमी नीशम जैसे अन्य खिलाड़ी 'द हंड्रेड' का हिस्सा थे। सितंबर में पाकिस्तान का दौरा रद्द होने के बाद मार्टिन गुप्टिल, मार्क चैपमैन और ईश सोढ़ी जैसे खिलाड़ी यूएई के बायो-बबल में बने रहे। न्यूजीलैंड के लिए कुछ अच्छी खबर है कि चोट के कारण टी20 विश्व कप की टीम से बाहर होने वाले तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन वापसी के लिए तैयार है।

स्टीड ने कहा कि लॉकी की बात करें तो वापसी के करीब है। हम बस यह सुनिश्चित करेंगे कि वह वहां आराम से पहुंचे, और यात्रा के दौरान को समस्या ना हो।

खिलाड़ियों को मिल सकती है बायो बबल से राहत

दुबई (एजेंसी)।

टीम इंडिया सहित विश्व की कई टीमों के खिलाड़ियों ने बायो बबल के कारण हो रही परेशानियों को लेकर सवाल उठाये थे जिसके बाद अब आईसीसी इसमें राहत दे सकता है। खिलाड़ियों का कहना है कि लगातार बायो-बबल में रहने से खिलाड़ियों को मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इसी को देखते हुए आईसीसी अब इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का फॉर्मूला अपनाएगी। इसके तहत खिलाड़ियों को अब बायो बबल में नहीं रहना होगा। इसकी जगह उनकी लगातार जांच होगी। ईपीएल में संपर्क में आने वाले लोगों को भी आइसोलेशन में नहीं भेजा जाता, केवल पॉजिटिव पाये आने वाले लोगों को ही क्वारंटाइन में रखा जाता है। आईसीसी की मुख्य कार्यकारी कमेटी की बैठक में इस पर बात भी हुई है। इसमें सदस्यों ने माना कि बायो बबल लंबे समय तक जारी नहीं रखा जा सकता है क्योंकि इससे खिलाड़ियों की मानसिक सेहत भी प्रभावित हो रही है। कई भारतीय खिलाड़ी भी इंग्लैंड सीरीज के बाद सीधे आईपीएल के बायो बबल में आए। इसके बाद वे टी20 विश्व कप खेलने के लिए उतर गए। इस प्रकार उन्हें लगातार बायो बबल में रहना पड़ा है। आईसीसी की ओर से हालांकि नए नियम को बनाने के लिए अभी कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। टीम इंडिया को 17 नवंबर से न्यूजीलैंड से सीरीज खेलनी है। सीरीज में 3 टी20 और 2 टेस्ट होने हैं। इसके बाद टीम को दक्षिण अफ्रीका के लंबे दौरे पर जाना है जहां तीन टेस्ट, तीन एकदिवसीय और 4 टी20 के मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी की ओर से 2022 में अक्टूबर-नवंबर में एक और टी20 विश्व कप आयोजन ऑस्ट्रेलिया में किया जाना है। उस टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों को बायो बबल में थोड़ी राहत दी सकती है।

छोटे कार्यकर्ता का भी फोन उठाना पड़ेगा और काम भी करना पड़ेगा

लाठी में गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल एक कार्यक्रम के संबोधन के दौरान अधिकारियों को कड़े अंदाज में कहा गया

अमरेली।

अब लाठी में गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल एक कार्यक्रम के संबोधन के दौरान अधिकारियों को कड़े अंदाज में कहा। उन्होंने बताया है कि अधिकारियों को काम करना पड़ेगा और चुने गये प्रतिनिधियों के फोन भी उठाना पड़ेगा। सीआर पाटिल ने सरकारी अधिकारियों को कहा कि, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सूचना दी है कि, सभी विधायकों के नबर आपके मोबाइल में सेव होना चाहिए। कोई भी विधायक फोन करे तो फोन का जबाव दो। गत दिन मुख्यमंत्री को फिर एक बार से विनंती की है कि, साहब तहसील पंचायत, जिला पंचायत, पालिकाओं में भी अधिकारियों ने चुने गये पदाधिकारियों के फोन का जबाव नहीं देते। लेकिन अब अधिकारियों को काम करना पड़ेगा और जनप्रतिनिधों के जबाव भी देने पड़ेंगे। कुछ दिन पहले सूरत के कडोदरा में आयोजित हुए भाजपा के स्नेहमिलन के कार्यक्रम में अध्यक्ष सीआर पाटिल ने अधिकारियों से कहा था। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय अधिकारियों को चुने गये प्रतिनिधियों के नंबर सेव रखकर इसका जबाव देने के लिए सूचना दी थी। जबकि ज रूरत होगी तब अधिकारियों को फोन उठाना पड़ेगा। सोम-मंगल के अलावा सचिवालय में काम के लिए सभी अधिकारियों और मंत्रियों को भी मौजूद रहने के लिए सूचना दी गई है। यहां उल्लेखनीय है कि, पहले भी गुजरात में अधिकारी राज होने की शिकायतें सामने आ चुकी है। अधिकारी चुने गये प्रतिनिधियों को नहीं मानते होने का और फोन नहीं उठाते होने की शिकायतें सामने आई थी। अब अधिकारियों को विधायक, सांसद या अन्य चुने गये नेताओं के फोन उठाने के लिए कहा गया था। सीआर पाटिल ने कड़े अंदाज में बताया है कि, अधिकारियों को सिर्फ फोन उठाकर जबाव देने का नहीं लेकिन जरूरी काम भी करना पड़ेगा। किसी प्रकार की बदमाशी नहीं चलाई जाएगी।

सूरत भूमि सूरत - अखिल भारतीय कोली समाज द्वारा गुजरात कार्यकारिणी राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में गुजरात राज्य अखिल भारतीय कोली समाज के प्रमुख भारतीय कोली समाज के उपप्रमुख ऋत्विक भाई मकवाना गुजरात राज्य अखिल भारतीय कोली समाज के उप प्रमुख लक्ष्मीकांत पटेल एवं उप प्रमुख वेचाटभाई बारैया का भव्य सम्मान किया गया इस अवसर पर पूरे देश के पदाधिकारी उपस्थित थे

मामले में क्राइम ब्रांच ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया

वडोदरा।

शहर के वैक्सीन इंस्टीट्यूट ग्राउंड में गैंगरेप बाद वलसाड की ट्रेन में आत्महत्या करने वाली १८ वर्षीय विद्यार्थिनी के केस में पुलिस की टीम लगातार जांच कर रही है। यह केस की जांच में पुलिस की ३५ टीम काम में लग गई है। अब वडोदरा क्राइम ब्रांच ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह दोनों संदिग्धों की पूछताछ कर रही है। अब जल्दी ही यह केस पर से पर्दा उठने की संभावना है। महत्व का है कि, पीड़िता के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी ऐसा खुलासा हुआ है कि इस पर दुष्कर्म किया गया था। रविवार को देर रात को वडोदरा शहर पुलिस कमिश्नर डॉ. शमशेर सिंह ने वैक्सीन इंस्टीट्यूट ग्राउंड की मुलाकात की थी और यह केस की और जानकारी ली गई। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने भी पीड़ित युवती जहां रहती यह फ्लैट में जांच की है। पुलिस इस केस में कोई भी तरह की त्रुटि नहीं रखना चाहती थी।

पुलिस की विभिन्न टीम इस केस में हाल लग गई है। पुलिस की टीमों ने पीड़ित युवती जहां नौकरी करती थी यह ओएसिस संस्था, पीड़िता का घर, घटनास्थल और इसके आसपास में स्थित सभी दुकानों में जाकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस संदिग्ध सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। इतना ही नहीं पुलिस की टीम` इस क्षेत्र में स्थित ११३ सीसीटीवी फूटेज भी जांच की है। इस केस में पुलिस ने कुल ५०० से भी ज्यादा सीसीटीवी फूटेज जांच किए जाने का सामने आया है। अब ऐसा भी रिपोर्ट सामने आया है कि, एक सीसीटीवी फूटेज में दो आरोपी भागते हुए दिखाई दे रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तब ऐसा लग रहा है कि जल्द ही यह केस पर से पर्दा उठ सकता है। नवसारी की यह विद्यार्थिनी पर दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए राज्य की पांच एजेंसी दिन रात एक कर रही है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच, रेलवे पुलिस और एफएसएल टीम ने रविवार को वैक्सीन इंस्टीट्यूट ग्राउंड की मुलाकात की है।

क्राइम ब्रांच ने साबरकांठा से जब्त किया सिमकार्ड रैकेट

अहमदाबाद।

आपका बैंक अकाउंट निष्क्रिय हो या कोई सिमकार्ड नहीं इस्तेमाल करते हो तो सावधान हो जाओ क्योंकि साइबर क्रिमिनल गैरकानूनी काम करने के लिए फोन नंबर या बैंक अकाउंट का उपयोग करते होने की संभावना है।

आपका नंबर या अकाउंट द्वारा धोखाधड़ी या डीजिटल धोखा हुए होने की संभावना है। शहर की क्राइम ब्रांच ने हाल में ही विजयसिंह झाला नाम के २२ वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। साबरकांठा के तलोद के अणियोल गांव का विजयसिंह कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से सिमकार्ड बेचते होने का सामने आया है। पूछताछ में जानकारी मिली है कि, बैंक अकाउंट, डीजिटल वोलेट्स, ओटीटी एप के उपयोग के लिए प्रत्यय दस्तावेज भी गैरकानूनी तरीके से बेचा था। उत्तर गुजरात में विशेष करके साबरकांठा, अरवल्ली और बनासकांठा जिलों में इस प्रकार के गैरकानूनी धंधा भारी मात्रा में हो रही है। यहां ठग गैंग डार्क वेब का उपयोग करके टेलिकोम कंपनियां और बैंकों से डेटा चुराते है और बाद में इसका गैरकानूनी प्रवृत्तियों के लिए उपयोग करते है, यह पुलिस ने बताया। ९ अक्टूबर को पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर विजयसिंह को गिरफ्तार किया था। पुलिस को जानकारी मिली है कि, वह एक निश्चित व्यक्ति को कुछ सिमकार्ड डीलिवरी करना है। पुलिस ने विजयसिंह को पकड़ने के बाद इसकी पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि, विजयसिंह जो गैंग के लिए डीलिवरी बॉय के तौर पर काम करता इसके पास करीब २०,००० सिमकार्ड है। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि, ऐसी गैंग कई क्षेत्र में काम करती है जिसकी वजह से पुलिस से बच सके। गैंग का सरदार कई टेलिग्राम ग्रुप का संचालन करता है और इसके द्वारा वह सिमकार्ड, बैंक अकाउंट और डीजिटल वोलेट के सौदा के लिए ऑफर देता है।

स्कूल के एक विद्यार्थी के सामने एक गरीब बच्चे को वैक्सीन दी जाएगी

अहमदाबाद।

केंद्र सरकार जल्द ही बच्चों के लिए कोविड-१९ टीकाकरण मामले में तैयारियां शुरू कर रही है तब अहमदाबाद स्थित उदगम ग्रुप ऑफ स्कूल्स इसके विद्यार्थियों और अन्य बच्चों के लिए वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू करने की तैयारियां कर रही है। ग्रुप ने यह टीकाकरण अभियान के लिए सीनियर मल्टी-स्पेशियालिटी अस्पताल चेइन शेल्बी मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल के साथ हाथ मिलाया है। यह स्कूल में विद्यार्थी द्वारा प्रत्येक पेइड डोज के सामने शेल्बी मल्टीस्पेशियालिटी अस्पतालों द्वारा सुविधाओं से वंचित एक बच्चे को वैक्सीन दिया जाएगा। इस पहल के मामले में उदगम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मनन चोक्सी ने बताया है कि, बच्चों को वैक्सीन के डोज देकर कोविड-१९ के खतरे से बचाने की काफी जरूरत है। हमारे बच्चों के जल्दी से वैक्सीनेशन के लिए हमारी स्कूलों के विद्यार्थियों को वैक्सीन दिलाने के लिए हमने शेल्बी मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल के साथ कनेक्ट किया है।

अभिभावकों को कोवैक्सीन और जायकोव-डी एम दोनों वैक्सीन विकल्प मिलेंगे। उदगम ग्रुप ऑफ स्कूल की पांच स्कूलों में कुल ८५०० विद्यार्थी पढ़ाई करते है। अभिभावक अपने संतानों को वैक्सीन दिलाना चाहते है कि यह मालूम करने के लिए स्कूल मैनेजमेंट ने हाल में ही एक सर्वे किया था। करीब ३००० अभिभावकों ने यह सर्वे में हिस्सा लिया था। जिसमें से ९९ फीसदी अभिभावकों ने अपने संतानों को वैक्सीन दिलाने के लिए इच्छा व्यक्त की थी। यह वैक्सीनेशन अभियान के तहत स्कूल मैनेजमेंट हक-सुविधा से वंचित बच्चों को शामिल करने का टार्गेट रखते है। क्योंकि उनको यह समय के दौरान बहुत पढ़ाई गंवाई है। सबसे बड़ी चुनौती वंचित बच्चों का टीकाकरण है यानी कि समाज के प्रति दायित्व निभाने के लिए हमने यह योजना तैयार की है। स्कूल्स में एक विद्यार्थी वैक्सीन लेगा इसके सामने शेल्बी मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल द्वारा एक वंचित बच्चे को वैक्सीन दी जाएगी। यदि हमारे सभी विद्यार्थी स्कूल्स में वैक्सीन के डोज लेंगे तो ८००० वंचित बच्चों को वैक्सीन देने का हमारा टार्गेट है।

अहमदाबाद में अंडे की लारी खुलेआम लगाने पर प्रतिबंध

नियम के अनुसार खुलेआम नॉनवेज ढांक कर बेचना पड़ेगा, हाल में नॉनवेज और आमलेट की लारी बंद नहीं किया जाएगा

अहमदाबाद।

खुलेआम नॉनवेज और अंडे की लारियों पर प्रतिबंध की राजकोट कॉर्पोरेशन द्वारा की गई घोषणा बाद तो यह निर्णय जैसे जंगल की आग बन चुका है। एक के बाद एक पालिका अंडे और नॉनवेज की लारियों पर प्रतिबंध लगा रही है।

कई महानगर पालिकाओं के बाद अब आखिर में गुजरात की सबसे बड़ी महानगरपालिका अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा भी नॉनवेज और अंडे की लारियों को खुलेआम नहीं लगाने का निर्णय लिया गया है। आज से बदल गये नियम के अनुसार खुलेआम नॉनवेज ढांक कर बेचना पड़ेगा। हाल में नॉनवेज और आमलेट की लारी बंद नहीं किया जाएगा। लेकिन खुलेआम नॉनवेज बेचते लारी धारकों को कई नियमों का पालन करना पड़ेगा।

वह अब नॉनवेज ढांक कर बेच सकते हैं। इसके अलावा खुलेआम लारी नहीं लगा सकते हैं। लारी पर बेची जाती खाद्य सामग्री पर हाइजेनिक स्थिति बनाये रखनी पड़ेगी। पालिका के अधिकारी रोड रास्ते पर लगती लारियों का सर्वे करेंगे।

बाद में मेयर की अध्यक्षता में बैठक करने के बाद निर्णय लेंगे। इस मामले में कॉर्पोरेशन द्वारा प्लानिंग भी किया जा रहा है। नॉनवेज और अंडे की लारियों को हटाने के मामले में फिलहाल तो गुजरात में राजनीति भी गर्मा चुकी है।

कई नेता भी इस मामले में बयान दे चुके है। नागरिक को क्या खाना क्या नहीं इसका निर्णय सरकार किस तरीके से कर सकती है आदि जैसे मुद्दे पर विशेषज्ञों में मतभेद देखने को मिल रहा है। हालांकि गुजरात के सभी बड़े शहर में खुलेआम नॉनवेज और अंडे की लारियों पर खुलेआम खड़े रहने पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है यह वास्तविकता है। एक बाद एक पालिका और महानगरपालिका ने अचानक यह निर्णय को लागू कर रही है।

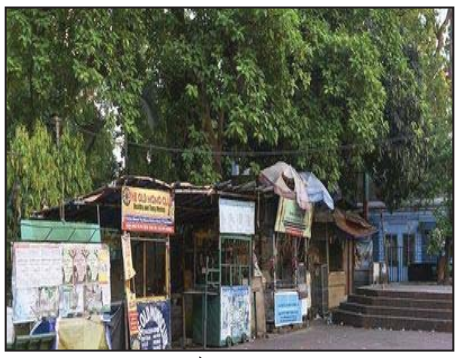

दीवाली मनाने के लिए गये परिवार के घर से गहने की हुई चोरी

चांदखेडा में चौकीदार ही निकला चोर पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज चेक करने पर पर्दाफाश हो गया

अहमदाबाद।

दीवाली के त्यौहार के दौरान कई मकानों में चोरी होती होने के कई मामले सामने आते है। क्योंकि कई लोग दीवाली के त्यौहार के दौरान वतन या फिर बाहर कहीं घूमने जाते है। तब ऐसा ही एक मामला चांदखेडा से सामने आया है।

यहां रहता एक परिवार दीवाली मनाने के लिए वतन गया था। अब सिक्योरिटी गार्ड ही उनके घर में गहने की चोरी करके फरार हो गया। यह मामले में पुलिस शिकायत होने पर पूरा मामला सामने आया। इस बारे में यह जानकारी है कि, चांदखेडा में द्वारकेश हाइट्स स्थित है। यहां रहते रमेशभाई डामोर थलतेज कॉर्पोरेशन की ऑफिस में सुपरवाइजर के तहत ड्यूटी करते है। रमेशभाई ने चांदखेडा पुलिस स्टेशन में की गई शिकायत के अनुसार, वह अपने परिवार के साथ दीवाली मनाने के लिए वतन दाहोद में गये थे।

जबकि वह दीवाली मनाकर अपने घर पर वापस आये तो वह आश्चर्यचकित हो गये। घर में देखा तो अंदर का सभी सामान बिखरा पड़ा था। घर की तिजोरी में रखा गया गहना और नकद रकम गायब था। चुराया गया गहना रमेशभाई को अपने शादी के समय ससुराल पक्ष की तरफ से मिला था। घर में जांच किया तो खबर मिली की पीछे के हिस्से से कोई चोर घुसा था। जिस घर से ९५,००० के गहने और नकद रकम चोरी करके फरार हो गया। इसके बाद उन्होंने यह बात की जानकारी अपार्टमेंट के सिक्योरिटी गार्ड को दी थी। उस समय में खबर मिली की उनके घर में चोरी हुई तब से सिक्योरिटी गार्ड के तहत ड्यूटी करता अशोक नाम का कर्मचारी किसी को जानकारी दिए बिना चला गया है। ब्लेक होक नाम की सिक्योरिटी गार्ड नाम की एजेंसी के कर्मचारी उनके अपार्टमेंट में काम करता था। अब रमेशभाई ने एजेंसी के संचालक को यह बात की जानकारी दी थी। हालांकि, उनको इस मामले में संतोषकारक जबाव नहीं मिला। आखिर में परेशान होकर रमेशभाई ने चांदखेडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

75वें दीक्षा महोत्सव में त्याग सहित सेवा के योग के रूप में 10 हजार घरों में किट वितरण का शुभारंभ

सूरत भूमि सूरत - सूरत के ऐतिहासिक 75 दीक्षा उत्सव में त्याग धर्म के साथ शिवा के धर्म की ध्वजा लहराई थी आज ही सेवा की कार्य की शुभ शुरुआत की गई थी। शहर के 10,000 जरुरतमंद परिवारों को अनुकंपा कीट वितरण कार्य फाइल से शुरु किया गया। पांच दिन तक किसकी हटके वितरण का कार्य चलेगा।

29 नवंबर के दिन अध्यात्म नगरी सूरत में दीक्षा धर्म के महानायक शीशी योग तिलक सुर ईश्वर जी महाराज की वैराग्य वाणी से वासित 75 दीक्षार्थी धन स्वजन सौंदर्य डिग्री सब कुछ छोड़कर सच्चे सुख के मार्ग पर जा रहे हैं तब गुरु योग के शब्द उपदेश से आयोजित संस्था शांति कनक समन उपासक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार ने सुंदर सेवा की कार्य की आज पाल विस्तार से नियर हे माली बेन बोघावाला के हाथों दीक्षार्थी परिवार के पावन हाथों प्रथम कीट अर्पण कर शुभ शुरुआत की। आयोजक संस्था ने यह संपूर्ण कीट वितरण की जवाबदारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सौपी है। सूरत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता 5 दिन में पांच अलग-अलग विस्तार में 10,000 जितने परिवारों को कीट वितरण करेंगे। किट वितरण का शुभारंभ

कार्यक्रम में मेयर हेमालिबेन बोघवाला ने बताया कि आजादी के 75 वर्ष का उत्सव राष्ट्र मना रहा है तब 75 दीक्षार्थियों की हमारे सूरत शहर में हो रही दीक्षा एक संयोग है जो त्याग धर्म का संदेश समाज को दे रहा है। ऐसे प्रसंग पर ऐसा सुंदर सेवाकीय कार्य सराहनीय है। भिक्षा कमेटी के जैन अग्रणी नीरव शाह ने बताया कि ऐसी घटना दुर्लभ है जिसमें दो अलग संस्था एक दूसरे की पूरक बनकर सेवा का कार्य के अभियान से लोकहीत का कार्य कर रही है। सूरत आर आर एस के प्रमुख डॉ रितेश भाई ने इस उन्दा कार्य और भावना की सराहना की। शांति कनक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार के उपस्थित ट्रस्टी गण की ओर से प्रवक्ता तथा कार्यक्रम के संचालक रविंद्र शाह ने इस विशिष्ट आयोजन के प्रसंग में उपस्थित मेयर हेमाली बेन, सूरत भाजपा महामंत्री मुकेश भाई, उपस्थित सभी कॉर्पोरेटर तथा सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। ऐसा लग रहा था कि यह 75 सामूहिक दीक्षा महोत्सव समाज के हर वर्ग तक त्याग धर्म तथा प्रभु वीर की वाणी सत्य अर्थ में पहुंचा रही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)